

नवरात्रि पर्व पर 'द यूथ वॉयस टीम' की अनूठी पहल, पलेक्सी बैनर और झांकी के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

कचौरा तिराहा में कचरा पृथक्करण को लेकर लोगों को किया जागरूक, आरती के दौरान ली स्वच्छता की शपथ



दैनिक जीवन में कचरा प्रबंधन की अच्छी आदतें अपनाने की अपील की गई। कचौरा तिराहा में आयोजित इस जागरूकता गतिविधि के दौरान फ्लेक्स्री बैनर के माध्यम से कचरा पृथक्करण, आवश्यकता को प्रमुखता से बताया गया। नागरिकों की समझाया गया कि घरों एवं दुकानों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को एक साथ न डालकर अलग-अलग रखना चाहिए। इससे कचरे के उचित निपटान और पुनर्वर्णन की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। टीम द्वारा निकाली गई झोंकी भी स्वच्छता जागरूकता को प्रमुख आकर्षण रही। इसके माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न



है। यदि सभी लोग कचेरे का उचित प्रबंधन करें और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने से बचें, तो नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। नगरात्रि पर्व के दौरान आरती के समय स्वच्छता की शपथ भी ली गई। धार्मिक आस्था के इस अवसर पर उपस्थित लोगों को स्वच्छता अपनाने, कचेरे का उचित निपटारा करने तथा अपने घर, आसपास और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने के प्रति जागरूक किया गया। इस पर्व के माध्यम से धार्मिक भावना को सामाजिक दायित्व के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया। टीम ने नागरिकों से अपील की कि वे नगरात्रि सहित सभी धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। पूजा सामग्री

और अन्य कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा आयोजन स्थलों पर गंदगी न फैलने दें। साथ ही बच्चों और युवाओं को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। दशुषु वॉयस टीम के सदस्य कमलेश प्रजापति ने बताया कि उनको टीम प्रतिदिन स्वच्छता के लिए कार्य कर रही है। टीम का उद्देश्य जनसेवा की भावना से लोगों को जागरूक करना और स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देना है। उन्होंने बताया कि टीम यह कार्य पूरी तरह नि:शुल्क कर रही है तथा क्षेत्र के नागरिकों का ही अच्छा सहयोग मिल रहा है। नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति

जागरूकता तभी सार्थक होगी, जब लोग इसे अपनी दैनिक आदतों में शामिल करेंगे। केवल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर जिम्मेदारी निभानी होगी। गोलों और सूखे कचरे को अलग रखना, डस्टबिन का उपयोग करना और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाना ऐसे छोटे कदम हैं, जिनसे बड़े बदलाव की शुरुआत की जा सकती है। दूध वॉयस टीम की इस पहल ने यह संदेश दिया कि लियोहारा की खुशियों के साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। धार्मिक आयोजनों में जागरूकता का संदेश प्रथम से अंतिम तक पहुंचाया जा सकता है। टीम ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने, गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने तथा कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालने की अपील की। नवरात्रि पर्व पर की गई यह पहल सामाजिक जागरूकता, जनसेवा और स्वच्छता के प्रति समूहिक जिम्मेदारी का प्रेरक उदाहरण बनी।



अभिरुचि (स्वतंत्रमत) । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, जिला उमरिया द्वारा जिला स्तरीय नवांकर संस्थाओं की बैठक शुक्रवार 23 अक्टूबर को निर्धारित एजेंडा अनुसार आयोजित की गई। बैठक में संभाग समन्वयक भीमसिंह डामोर द्वारा सभी एजेंडा बिंदुओं के संदर्भ में नवांकर संस्थाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उपरोक्त बैठक में वचुअली रूप से संभाग प्रभारी दरियाव सचिव सूर्यवंशी जी भी उपस्थित रहे। संभाग समन्वयक भीमसिंह डामोर द्वारा परिषद की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की प्रगति का प्रतिक्रिये प्रस्तुत किया गया। जिला समन्वयक द्वारा पीपीटी के माध्यम से आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा व समीक्षा की गई। संस्थाओं द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यों, उपलब्धियों तथा गतिविधियों की समीक्षा कर कार्यों में गुणवत्ता एवं सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में नवांकर संस्थाओं की सहभागिता पर जोर दिया गया। आगामी माह के अभियानों एवं कार्यक्रमों की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। जिला समन्वयक द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मोबाइल ऐप एवं एमआईएस पोर्टल पर गतिविधियों की प्रविष्टि, जियोलोकेशन फोटोग्राफ एवं प्रतिवेदन अपलोड करने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सभी सेक्टर प्रभारियों को प्रस्फुटन शक्ति संघ प्रशिक्षण के प्रभावी आयोजन हेतु राज्य कार्यलय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित कार्ययोजना का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण की पूर्व तैयारी, प्रस्फुटन समितियों की सहभागिता, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया। संभाग समन्वयक भीमसिंह डामोर द्वारा सभी एजेंडा बिंदुओं के अंतर्गत नवांकर संस्थाओं के कार्यों, प्रगति, सहभागिता, विभागीय समन्वय एवं आगामी लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए संस्थाओं एवं सेक्टर प्रभारियों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप सक्रियता एवं जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक का समापन आगामी कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं परिषद के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सामूहिक सहभागिता के संकल्प के साथ हुआ।

सर्व मानव उत्थान जन कल्याण समिति, शहडोल ने
कराया प्रस्फुटन समितियों का शक्ति संचय प्रशिक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में विकासखंड सोहागपुर के सेक्टर क्रमांक 02 सोहागपुर में प्रसफ्टुन समिति शक्ति संघ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक सोहागपुर प्रिया सिंह धुपेल, नवांकुर संस्था सर्व मानव उथान जन कल्याण समिति से लोकनाथ नामदेव सहित प्रसफ्टुन अंतर्गत विभिन्न प्रसफ्टुन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य एवं नवांकुर सखियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर के रूप में शिवम समन्वयक प्रिया सिंह समितियों के दस्तावेज



ट्रेनर के रूप में शिवम तिवारी एवं विकासखंड समन्वयक प्रिया सिंह बघेल द्वारा प्रस्फुटन समितियों के दस्तावेजीकरण, अभिलेखों के

व्यवस्थित संधारण तथा ग्राम स्तर पर सामाजिक गतिविधियों के संचालन से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही समितियों की कार्यप्रणाली एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक सहभागिता के महत्व पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों को आवश्यक जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी कार्यक्षमता को सुदृढ़ करना तथा ग्राम विकास एवं सामाजिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा।

माँ ज्वालामुखी मंदिर प्रांगण में कृत्रिम विसर्जन कुंड बना
मिसाल, नगर पालिका की व्यवस्था की हर ओर सराहना

शहडोल (स्वतंत्रमत)। नगर पालिका धनुपुरी द्वारा माँ जलामाधवी मंदिर के प्रांगण में बनाया गया कृत्रिम विसर्जन कुंड इस नगरवासी में आस्था और स्वच्छता का संयोग बन गया। नगर पालिका की उत्कृष्ट व्यवस्था के चलते धनुपुरी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों की मूर्तियों का विसर्जन शांतिपूर्ण और सुस्थित तरीके से संपन्न हुआ। नगर पालिका द्वारा सुरक्षा, स्वच्छता और लाइफिंग के लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शहडोल कुंड की खासियत यह है कि साल में कई बार इसका जल परिवर्तन किया जाता है, कचरा



और कीचड़ की नियमित सफाई होती है। हर त्योहार चाहे जावरा विसर्जन हो, गणेश उत्सव हो या दुर्गा उत्सव पर यहाँ विशेष व्यवस्था की जाती

है। इस नवरात्रि में अब तक 75 से अधिक दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा चुका है। विसर्जन के लिए नगर पालिका ने प्रतीमाओं रखने के लिए तख्त, हाइड्रा मशीन, स्वास्थ्य विभाग की टीम और दमकल वाहन तैनात किए थे। सुरक्षा व्यवस्था में धनपुरी पुलिस की अहम भूमिका रही। विसर्जन में लगे कर्मचारी अपने-अपने कोड में मुस्तैदी से इम्तिyar करते नजर आए। नगर पालिका सीएफओ और मंत्रि त्वारी और नगर पालिका अध्यक्ष रविन्द्र कौर खबड़ों के नेतृत्व में पूरी टीम का भरपूर सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शहडोल भ्रमण की तैयारियों का विधायक, कमिश्नर एवं कलेक्टर ने लिया जायजा

शहडोल (स्वतंत्रमत) ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 25 मन्वरूपों को प्रस्तावित शहडोल मण्डल के महेन्द्रजी विधायक वयसिंहनगर मनीषा सिंह, उभागायुक्त सुरभि गुप्ता एवं कलेक्टर गार्थ जायसवाल सहित प्रतिनिधियों और शासकीय अधिकारियों ने बाणगंगा मैदान हनुचकर राज्यस्तरीय तेदुपत्ता ग्रामाहक बोसस वितरण कार्यक्रम का आयोजन का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, प्रदर्शनी, उत्तराधिकारी के बैठने की व्यवस्था, त्रिकोणीय के हिललाभ वितरण, नवाग्राम के मार्ग तथा रंगीली निर्माण सहित विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण की जाएं। साथ ही बैठक व्यवस्था



सुव्यवस्थित हो तथा हितप्राप्तियों के बैठने के लिए यथासि स्थान उपलब्ध कराया जाए, जिससे कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रदर्शनी एवं हितप्राप्तियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश अधिकारियों ने प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण करते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं एवं उपलब्धियों को आकर्षक और व्यवस्थित तरीके से प्रदर्शित किया जाए। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। पत्रकारों के बैठने एवं समाचार संकलन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा

कार्यक्रम स्थल पर आवागमन के मार्गों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि हिमपातियों को हिलाना वितरण क प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो तथा कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अहलीपेड स्थल पर नहीं। निरीक्षण के दौरान हेलीपेड स्थल पर अतिथियों के बैठने, स्वागत एवं आवागमन की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि हेलीपेड पर सुरक्षा एवं स्वागत संबंधी व्यवस्थाएं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। अतिथियों के आवागमन के मार्ग व्यवस्थित रखे जाएं तथा आवश्यक स्थानों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की द्यूटी निर्धारित की जाए।

**नौ माह की गर्भवती की खबर नहीं तो किस काम की निगरानी?
कलेक्टर सख्त, वेतन रोकने से निलंबन तक की चेतावनी**

आंगनवाड़ी केंद्रों की नियमित निगरानी के निर्देश, गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए वाहन नहीं मिलने पर मिलेगी एक हजार रुपये की सहायता राशि

डिंडौरी (स्वतंत्रमत)

जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा पोषण कार्यक्रमों में लापरवाही को लेकर कलेक्टर अंजु पवन भट्टारिया ने सख्त रुख अपनाया है। जिला स्वास्थ्य समिति एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और बच्चों के पोषण संबंधी कार्यों में कमी की सीधी भीतर ही लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर वेतन रोकने की कार्रवाई सहित निगमनुसार कदम उठाए जाएंगे। बैठक में पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी जिला स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण, पोषण और विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले में कोई भी गर्भवती महिला पंजीयन से वंचित नहीं रहनी चाहिए। गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच, निर्धारित टीकाकरण और हार्ड रिस्क प्रेगनेंसी की पहचान कर

आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए। एसीमिया की जांच एवं उपचार तथा गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप के प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। कलेक्टर ने कहा कि गर्भावस्था की अवधि भी माह होनी है। ऐसे में भी माह की गर्भवती महिला की जानकारी समय पर नहीं होना गंभीर लापरवाही है। समय पर निगरानी और स्वास्थ्य परीक्षण से संभावित जटिलताओं की पहचान कर महिला को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने कर्मचारियों को कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण और कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए। कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर वेतन रोके जाने का प्रस्ताव भेजने सहित विमानानुसार कार्रवाई करने को कहा। महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगव्याड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान बच्चों की उपस्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और पोषण व्यवस्था की स्थिति पर विशेष नजर रखने को कहा गया। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बच्चों को निर्धारित मीनों के अनुसार पोषण आहार उपलब्ध कराया जाए तथा उनके पोषण स्तर की नियमित जांच की जाए। कुपोषण की स्थिति सामने आने पर समय पर उपचार और आवश्यक पोषण प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। निगरानी एवं निरीक्षण में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध निलंबन के प्रस्ताव सहित विमानानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

किसानों एवं बाणसागर विस्थापितों की समस्याओं को लेकर ब्यूहारी में विशाल धरना-प्रदर्शन

व्याहारी (स्वतंत्रमत)। किसानों की फसलें हाथियों एवं आवा रावेधियों से बचाने, उचित मुआवजा दिलाने तथा बाणसार विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के तत्वावधान में विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। हजारों की संख्या में लोग एकत्रित होकर एसडीएम कार्यालय



मपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने किसानों की फसल क्षति का मुआवजा, हाथियों से सुरक्षा, बुड़वा क्षेत्र में गौशाला निर्माण तथा बाणसागर विस्थापित परिवारों को लंबित मुआवजा एवं नुस्तानों का लाभ शीघ्र दिलाने की मांग की। इस दौरान गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह पेंड्रे 'मोनु' ने कहा कि किसानों और विस्थापित परिवारों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए। यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो 25 अक्टूबर को सभी किसान भाइयों एवं विस्थापित परिवारों को लेकर मुख्यमंत्री य से मिलने शहडोल जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों का निराकरण नहीं होने पर ब्यौहारा बंदे आंदोलन का आह्वान किया जाएगा। यह विशाल धरना-प्रदर्शन अजय सिंह पेंड्रे 'मोनु', गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ब्लॉक अध्यक्ष एवं प्रतीक संसद सदस्य, समाजसेवी के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

आंगनवाड़ी में 41 बच्चे दर्ज, निरीक्षण में एक भी नहीं मिला ! कलेक्टर ने दिए कार्रवाई के निर्देश

डिंडौरी (स्वतंत्रमत)

जिले में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की हकीकत जानने के लिए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने आंगनवाड़ी केंद्र नरिया सेंटर, नूनखान और पंचायत भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की शत-प्रतिशत अंगन-परस्थिति सामने

आइ। वहीं, सहायिका के पिछले 15 दिनों से। केंद्र नहीं आने को जानकारी मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए कार्यकर्ता एवं सहायिका के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जानकारी के अंश अनुसार, आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र नरिया सेंटर में नूतनखान में कुल 41 बच्चे दर्ज हैं। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान इनमें से एक भी बच्चा केंद्र नहीं मिले। केंद्र में उपस्थित नहीं मिला। केंद्र में आंगनवाड़ी

जिला स्तरीय नवांकुर संस्थाओं की बैठक संपन्न

[illegible]

टीचर, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स
एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर।

शब्द पहेली - 9012 का हल									
शा	र	दा		सा	हि	ल			
दा	म		न	ल		त	ब		
खि		प्र	व	धा	न			रा	
ल	व	ण		न		त	ह	त	
		ना	म		रा	ह			
नी	र	ध		स		ल	ग	न	
स			मु	च	ल	का		क	
रा	ज		नी		ह		वे	या	
	न	र	म		ज	हि	ल		

जन संवाद शिविर में ग्रामीणों को गांव में ही मिल रही शासकीय सेवाएं, समय और धन की होगी बचत : कलेक्टर

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जन संवाद शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ गांव में ही उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें छोटे-छोटे कार्यों के लिए तहसील, जनपद एवं अन्य शासकीय कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। जन संवाद शिविर में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनते हैं और जिन प्रकरणों का निराकरण तत्काल संभव है, उनका मौके पर ही समाधान करते हैं। अन्य प्रकरणों को सूचीबद्ध कर समय-सीमा में निराकरण की कार्गवां की जाती है। शिविरों के माध्यम से आधार संबंधी सेवाएं, समग्र ई-केवाईसी, फार्मर आईडी, स्वामित्व योजना से संबंधित कार्य, स्वास्थ्य परीक्षण एवं विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों के समय और धन की बचत होगी तथा शासकीय सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान बनेगी। यह बात कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को जिले की जनपद पंचायत चावरपाठा की ग्राम पंचायत हीरापुर (ककरा) में आयोजित जन संवाद शिविर में कही। जन संवाद कार्यक्रम में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया। ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों का पंजीयन एवं आवश्यक कार्यवाही की गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं भी मुहैया कराई गईं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री देवेन्द्र गंगोलिया, श्री महिष मोदी, श्री राघवेन्द्र सिंह, सरपंच श्री कुलदीप दुबे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मोणा, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, जिला व जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, हितग्राही और नागरिकगण मौजूद थे।

ई-केवाईसी एवं फार्मर आईडी बनवाने की अपील-कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ग्रामीणों से समग्र ई-केवाईसी सहित विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूरी कराने की अपील की। उन्होंने किसानों से फार्मर आईडी बनवाने का आग्रह करते हुए कहा कि कृषि संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं एवं उपार्जन पंजीयन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। किसान संबंधित विभाग, पटवारी अथवा कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर पंजीयन करा सकते हैं।

स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीबी की पहचान पर जोर-



जन संवाद शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। शिविर में उपलब्ध जांच बुध्कसली खेती (मल्टी क्रॉपिंग) अपनाएं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो और खेती में जोखिम भी कम हो। उन्होंने कहा कि किसान गेहूं, मूंग, उड़द जैसी परंपरागत फसलों के साथ नींबू एवं अन्य फलदार पौधे लगाएं तथा पौधों के बीच उपलब्ध भूमि में सब्जियों का उत्पादन करें। इससे फलदार पौधों के उत्पादन देने योग्य होने तक सब्जियों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है। किसान अपनी आवश्यकता के लिए सब्जियां उगाने के साथ उनका विक्रय कर भी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

बहुफसली खेती से बढ़ाएं किसानों की आय-कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने किसानों को खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए परंपरागत फसलों के साथ फल एवं सब्जियों को खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसान अपनी भूमि का बेहतर उपयोग करते हुए बहुफसली खेती (मल्टी क्रॉपिंग) अपनाएं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो और खेती में जोखिम भी कम हो। उन्होंने कहा कि किसान गेहूं, मूंग, उड़द जैसी परंपरागत फसलों के साथ नींबू एवं अन्य फलदार पौधे लगाएं तथा पौधों के बीच उपलब्ध भूमि में सब्जियों का उत्पादन करें। इससे फलदार पौधों के उत्पादन देने योग्य होने तक सब्जियों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है। किसान अपनी आवश्यकता के लिए सब्जियां उगाने के साथ उनका विक्रय कर भी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

प्राकृतिक खेती अपनाएं, उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें-कलेक्टर श्रीमती सिंह ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों से रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का आवश्यकता से अधिक उपयोग नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार निर्धारित मात्रा में उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग करें। अधिक मात्रा में उर्वरक डालने से उत्पादन उसी अनुपात में नहीं बढ़ता। इसलिए खेती की लागत कम करने, मिट्टी

की गुणवत्ता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रयास किए जाने चाहिए।

स्वरोजगार योजनाओं से आत्मनिर्भर बनने का अवसर-कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, उद्योग एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों के माध्यम से स्वरोजगार से जुड़ी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पात्र हितग्राही संबंधित विभागों से जानकारी प्राप्त कर नियमानुसार ऋण एवं अनुदान जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं।

इन योजनाओं से ग्रामीणों को अपना व्यवसाय शुरू करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और परिवार की आय में वृद्धि करने में सहायता मिल सकती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे जन संवाद शिविर में पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का अधिकतम लाभ लें। शिविर के माध्यम से प्रशासन का प्रयास है कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान उनके गांव में ही हो तथा शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी न हो। जिला पंचायत सीओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने कहा जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर शिविर आयोजित कर आमजन को विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हितग्राहियों को हितलाभों का हुआ वितरण-कार्यक्रम में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। स्वामित्व योजना के तहत श्री प्रफुल्ल राजपूत, श्री दीनदयाल लोधी, श्री दशरथ ब्राह्मण, श्री विशाल लोधी, श्री राजेश कटारे व श्री सुरेश विश्वकर्मा को निशुल्क रजिस्ट्री वितरित की गई। इसके अलावा 12 स्वसहायता समूह की महिलाओं को 54 लाख 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत बलराम गुड़ उद्योग एवं दाल पैकेजिंग के लिए श्री

इंद्रकुमार मालवीय को 8 लाख रुपये, ठाकुर राघवेन्द्र सिंह को मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना और श्रीमती उर्मिला ठाकुर को 10 प्लस एक बकरी इकाई योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत पूजा जाटव को लाभान्वित किया गया। साथ ही टीबी मरीजों को उनके पोषण के लिए फूड बास्केट का भी वितरण किया गया।

विभिन्न विभागों के स्टॉलों से ग्रामीणों को मिली योजनाओं की जानकारी-शिविर में समग्र आईडी एवं ई-केवायसी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय विभाग सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों का पंजीयन करने के साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया।

ग्रामीणों को दी गई आधार संबंधी सेवाएं-जन संवाद शिविर के दौरान ग्रामीणों को आधार संबंधी सेवाएं मुहैया कराई गईं। इस दौरान 2 नवीन आधार कार्ड बनाए गए तथा 35 आधार कार्ड अपडेट किए गए। इस प्रकार कुल 37 नागरिकों को आधार संबंधी सेवाओं का लाभ मिला।

जन विश्वास शिविर में 200 से अधिक ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण-जन संवाद के दौरान आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा ग्रामीणजनों को स्वास्थ्य संबंधी जांचें की गईं। शिविर में 200 से अधिक ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान 117 ग्रामीणों का एक्स-रे किया गया। इसके अलावा आरबीएसके, गैर संचारी रोग- एनसीडी, नेत्र सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण किया गया। उन्हें आवश्यक परामर्श देकर निशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कृषकों और उद्यमियों ने साझा किए अनुभव-जन संवाद शिविर के दौरान कृषकों एवं उद्यमियों ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के अनुभव साझा किए। संवाद के दौरान हितग्राहियों ने बताया कि किस प्रकार शासन की योजनाओं से उन्हें आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने, कृषि कार्यों को बेहतर बनाने तथा स्वरोजगार एवं उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिली। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए योजनाओं से प्राप्त लाभ और उससे जीवन में आए बदलावों की जानकारी दी।



माँ बगीचा वाली माँ बीजासेन दरबार में महाप्रसादी भंडारा 25 अक्टूबर को

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। कोड्डिया मार्ग स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माँ बगीचा वाली माँ बीजासेन दरबार में नवरात्रि धार्मिक मेले जैसा वातावरण देखने को मिला। देवी में के दर्शन करने भक्तों का तांता लगा रहा ।कल 25 अक्टूबर को रविवार को महाप्रसादी भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन दोपहर 12 बजे से माई की इच्छा तक चलेगा। माँ बीजासेन सामाजिक कल्याण सेवा समिति द्वारा आयोजित इस भंडारे में सभी भक्तजनों को सादर आमंत्रित किया है। समिति ने विशेष रूप से सभी भक्तों से अपनी कन्याओं को साथ लाने का आग्रह भी किया है। समिति के सदस्यों ने बताया कि माँ बीजासेन दरबार में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी भक्तों के सहयोग से महाप्रसादी भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। भंडारे की सभी तैयारियां समिति द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी जनों से समय का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यक्रम में अवश्य पधारने की अपील की है।

धीमी गति से हो रहा है बिरहुली रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण : रामशंकर पयासी

सतना स्वतंत्र मत ।समिरिया मार्ग पर बिहुली यार्ड में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य को नवंबर 2025 में पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन निर्धारित समय विधि के 1 साल में बाद भी न सिर्फ निर्माण कार्य लटका हुआ है बल्कि उसमें अंधेचित गति भी नजर नहीं आ रही है रेलवे से जुड़े इस प्रोजेक्ट में हो रही लेट – लतीफी के कारण एक ओर जहां रेलवे को छवि प्रभावित हो रही है वहीं दूसरी ओर स्थानीय वासियों को समस्या कई गुना अधिक बढ़ गई है स्थानीय रह वासियों के अनुसार रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण नहीं होने के कारण राहगीरों को 8 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है इतना ही नहीं बल्कि इस दौरान नैना – सगमनिया मार्ग के खस्ता हाल होने के कारण उन्हें काफी परेशनियां का सामना पड़ता है स्थानीय वासी पिछले काफी समय से इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा होने का इंतजार करते आ रहे हैं लेकिन जिस गति से निर्माण कार्य जारी है उसे देखते लग रहा है कि अगले दो वर्ष तक और इंतजार करना पड़ेगा समस्याओं के चलते क्षेत्रीय जनता में काफी आक्रोश बढ़ता जा रहा है पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयासी ने मांग की है कि अधूरे कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए नहीं तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन के लिए बाध्य होगी जिसकी जवाबदारी प्रशासन की होगी।



रावण वध के बाद पन्नीलाल चौक में हुआ प्रभु श्रीराम और भरत का भावपूर्ण मिलाप



भाई के मिलन को देखने उमड़ा जनसैलाब, जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा पन्नीलाल चौक

सतना स्वतंत्र मत । श्री बिहारी रामलीला समाज द्वारा आयोजित 130वें वर्ष की ऐतिहासिक रामलीला के अंतर्गत रावण वध के बाद पन्नीलाल चौक में प्रभु श्रीराम और उनके अनुज भरत का भावपूर्ण मिलाप हुआ। इस पावन प्रसंग को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उमड़ पड़े। पूरा परिवर प्रभु श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

राम-भरत मिलाप का दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत भावुक और हृदयस्पर्शी रहा। चौदह वर्षों के वनवास के बाद प्रभु श्रीराम के आगमन और भरत के साथ उनके

मिलन ने भाईचारे, प्रेम, त्याग और समर्पण का अनुपम संदेश दिया। जैसे ही दोनों भाइयों का मिलाप हुआ, उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और जय श्रीराम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

श्री बिहारी रामलीला समाज की इस ऐतिहासिक परंपरा के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, पारिवारिक प्रेम और मर्यादा का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। पन्नीलाल चौक पर उमड़ा जनसैलाब इस धार्मिक आयोजन के प्रति नगरवासियों की गहरी आस्था और उत्साह का प्रतीक बना। राम-भरत मिलाप के इस दृश्य ने श्रद्धालुओं के हृदय में भक्ति, प्रेम और सद्भाव की भावना को और प्रगाढ़ कर दिया।

इस दौरान पन्नीलाल चौक व्यापारी संघ अध्यक्ष नवीन गुप्ता

मुन्ना भाई महामंत्री हेमन्त जैन कोषाध्यक्ष सी ए करण चौरसिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष राहुल जैन उपाध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता कनिष्ठ उपाध्यक्ष गोपाल डांगी सह मंत्री संजय वालेचा सह कोषाध्यक्ष विजय नागदेव प्रचार मंत्री संतोष विश्वकर्मा अनिल गुप्ता अजय सेन महंत शैलेन्द्र कुमार दुबे सह महंत शैलेन्द्र कुमार दुबे समन्वयक पं हरिप्रकाश गोस्वामी अध्यक्ष रविशंकर गौरी महामंत्री राजेश चतुर्वेदी पालन व्यास अरुण कुमार परोहा रामनरेश शुक्ला नरेंद्र त्रिपाठी सुरेश केसरवानी रामचरण गुप्ता आशुतोष दुबे मधुसूदन गुप्ता शिवकुमार शुक्ला श्रेय शुक्ला सुधीर अग्रवाल प्रचार प्रसार प्रमुख श्याम लाल गुप्ता श्यामू अशोक खानेका रमाकांत पटेल उमेश सोनी रामनाथ दाहिया राजेश दाहिया उपस्थित रहे।

इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन एवं सुपरिंटेंडेंट ऑफ स्टाम्प्स और कलेक्टर ने तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध रखने के निर्देश

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन एवं सुपरिंटेंडेंट ऑफ स्टाम्प्स श्री आलोक कुमार सिंह आईएसएस और कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, साफ-सफाई, दवा वितरण व्यवस्था एवं मरीजों को प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में नवीन भवन निर्माण की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। यहां नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए चिन्हांकित की गई भूमि का अवलोकन किया गया तथा पीआईन्यू विभाग द्वारा तैयार किए गए भवन के ड्राइंग का भी निरीक्षण किया। नवीन भवन का निर्माण पूर्ण होने पर यहां 50 बिस्तरीय अस्पताल की सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के



कर्मचारियों के लिए स्टॉफ क्वार्टर का निर्माण भी किया जाएगा। इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा तथा नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं पर जताया संतोष-निरीक्षण के दौरान श्री आलोक कुमार सिंह ने अस्पताल में साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने यहां की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने दवा वितरण केंद्र पहुंचकर उपलब्ध दवाइयों की

जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार के लिए आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को समय पर दवाइयां मिल सकें और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मरीजों से चर्चा कर ली स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी-कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए आए मरीजों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने आज की ओपीडी की स्थिति की भी

जानकारी प्राप्त की तथा मरीजों को बेहतर उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित काउंसलिंग पर जोर- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि चिकित्सक स्वयं ऐसी महिलाओं से संपर्क कर उनसे चर्चा करें और उनकी नियमित काउंसलिंग करें। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकता के अनुसार समय पर उचित उपचार

एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं में सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जाए। गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सुश्री शानू चौधरी, बीएसओ डॉ. राजकिशोर पटेल सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला मौजूद था।

राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु आई टीमों का हुआ गर्मजोशी से स्वागत गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। प्रदेश के स्कुल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह के प्रयासों से नगर के रूद्र कॉलेज मैदान पर 23 अक्टूबर नवंबर से 28 अक्टूबर तक आयोजित हो रही 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता 19 आयु वर्ष बालक वर्ग के लिए टीमों का आगमन गुरुवार देर शाम से शुरू हुआ। सबसे पहले रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी ट्रेन उसके बाद श्रीधाम, जनशताब्दी, नर्मदा, ओवरनाइट ट्रेनों से टीमों का आगमन हुआ। 7स्टेशन पर टीमों का स्वागत एसडीएम श्रीमति प्रमति वर्मा, डीईओ डॉ अनिल कुशवाहा, बीईओ सुश्री सीमा डोंगरे,प्राचार्य प्रतुल इंद्रुखा, बीआरसी संदीप स्थापक, ऑ पी राय, सोमनाथ मेहरा, अखिलेश शर्मा, राजेंद्र गुप्ता, मधुसूदन पटेल, सुरेंद्र पटेल,रेखा चौबे,शिवकुमार कौरव सहित अन्य द्वारा पुष्प गुच्छ देकर एवं तिलक लगाकर किया गया। स्वागत उपरांत टीम को उनके आवास स्थल तक लाया गया जहाँ पर आवास टीम के सदस्यों द्वारा भी स्वागत कर अगवानी की गई।



जनसुनवाई में कलेक्टर-एसपी ने सुनीं समस्याएं

सतना स्वतंत्र मत। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत चित्रकूट विकास प्राधिकरण कार्यालय में जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कलेक्टर डॉ संतोष कुमार एस और पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने स्वयं आवेदकों की समस्याएं सुनीं और मौके पर निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से बड़ी संख्या में आवेदक अपनी समस्याएं लेकर

पहुंचे थे। इस मौके पर एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, चित्रकूट नगर प्रखंड अध्यक्ष सुश्री साधना पटेल प्रबल श्रीदास्तव डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते डीपीओ राजीव सिंह, डीईओ श्रीमती सलोनी शर्मा, एलडीएम गौतम शर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।। अधिकारियों ने पंक्ति वार आवेदन लेकर उनकी समस्याओं को नोट किया। जन विश्वास अभियान 7 अगस्त 2026 से 6

जनवरी 2027 तक चलाया जा रहा है, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा किया गया है। अभियान का उद्देश्य जन सेवा का विस्तार और शासन की योजनाओं को हर शुक्रवार जनसुनवाई के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना है। कलेक्टर ने कहा कि हर आवेदन का समय-सीमा में निराकरण किया जाएगा और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नरसिंहपुर	
क्रमांक / 897/प्र.अ.वि.अ./2026	नरसिंहपुर दिनांक 22/10/2026
दिनापन	
(अंतर्गत आदेश 5 नियम 20 (1) (1क) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908)	
इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 0003/सी-144/2026-27 27आवेदक शुभशी बैलवर्मा पार्जनर श्री चेतन लुनावत पिता श्री राजेंद्र लुनावत निवासी जयप्रकाश वाई, कटेली तहसील जिला नरसिंहपुर द्वारा मौजा मैनावारी तहसील करेली में स्थित ख 2/1/2/15.न. रकबा, 180.4050 ख 2/2/15.न. रकबा 0.80990हे. ख.नं. 16/4 रकबा 1.0000हे. ख.नं. 16/5/2 रकबा 0.202 हे., कुल रकबा 2.416 हे. भूमि पर आवासीयकालोनी विकास अनुमति के संबंध मे आवेदन प्राप्त हुआ है, जो पेशी दिनांक 10/11/2026 को नियत है। उपरोक्त प्रकरण में इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति/संस्था को आपति है, तो वे उक्त पेशी दिनांक 10/11/2026 को इस न्यायालय में स्वयं, अधिकृत प्रतिनिधि अथवा अधिकार के माध्यम उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। उपरोक्त निवत पेशी दिनांक 10/11/2026 को व्यक्ति/संस्था के अनुपस्थित होने की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी। आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।	
अनुविभागीय अधिकारी (रा) नरसिंहपुर	

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर					
सार्वजनिक उद्घोषणा					
रा.मा.क्र. /ब-121/ सन् 2026-27					
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची मे उल्लेख अनुसार अभिलेख दुरुस्ती की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 13/11/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर मे इस न्यायालय के समक्ष या स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश दिये गये हो या हरेक प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध मे अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।					
नजूल शीट क्रमांक	नमरीय क्षेत्र का नाम	प्लॉट नं.	रकबा	सिवमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारता का नाम/ पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/पिता का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
16	कटेली	31/1	483.2 वर्गफुट	आयुष नाबा वन्द स्व. आशीष कुमार नेमा वली व सुदु श्रीमति रीना पतिन स्व. आशीष कुमार सा. रेलवे स्टेशन रोसर	आयुष वन्द स्व. आशीष कुमार नेमा. श्रीमति रीना पतिन स्व. आशीष कुमार सा. रेलवे स्टेशन रोसर
आज दिनांक 21/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।					
नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर					

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नरसिंहपुर	
क्रमांक/ 895 /प्र.अ.वि.अ./2026	नरसिंहपुर दिनांक 22/10/2026
विज्ञापन	
(अंतर्गत आदेश 5 नियम 20 (1) (1क) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908)	
न्यायालय कलेक्टर नरसिंहपुर के प्रकरण क्रमांक 0008/स-144/2026-27 कन्हैयादास गांधी पिता विटलदास गांधी, कालानांइजर निवासी पांडुरंग वाई कन्या स्कूल के पीछे राधाकृष्ण नगर आई जिला वर्धा (महाराष्ट्र) हाल मुकाम मुशरान वाई कटेली नरसिंहपुर मौजा कटेली तहसील नरसिंहपुर में स्थित ख.न.240/2/2 रकबा 1.215हे. भूमि पर कालोनी विकास अनुमति के संबंध मे प्रकरण प्राप्त हुआ है, जो पेशी दिनांक 10/11/2026 को नियत है।	
उपरोक्त प्रकरण में इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति/संस्था को आपति है, तो वे उक्त पेशी दिनांक 10/11/2026 को इस न्यायालय मे स्वयं, अधिकृत प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के माध्यम उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। उपरोक्त नियत पेशी दिनांक 10/11/2026 को व्यक्ति/संस्था के अनुपस्थित होने की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी।	
आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।	
अनुविभागीय अधिकारी (रा), नरसिंहपुर	



अजय बने नागपुर मंडल रेलवे सदस्य

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । अजय गुरवानी को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल की डिविजनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेंटिव कमेटी में व्यापारी प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया गया है। रेलवे के उप महाप्रबंधक सामान्य समीर कांत माथुर द्वारा 16 अक्टूबर को जारी पत्र में अजय गुरवानी का नाम सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उनका कार्यकाल 1 सितंबर 2026 से 31 अगस्त 2028 तक निर्धारित है। अजय गुरवानी को शामिल कराने की पहल अनाज, दलहन एवं तिलहन व्यापारी संघ द्वारा की गई थी। संघ के आग्रह पर सांसद डॉ. फगन सिंह कुलस्ते ने 14 अगस्त को मंडल रेल प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर को पत्र लिखकर अजय गुरवानी को व्यापारी सदस्य के रूप में मनोनीत करने की अनुशंसा की थी। रेलवे और आम नागरिकों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से रेल यात्रियों की सुविधाओं ट्रेन संचालन समय-सारणी स्टेशन विकास और अन्य रेल संबंधी समस्याओं पर सुझाव एवं मांगें अधिकारियों के समक्ष रखी जाती हैं।

लोकतंत्र बचाओ

भीड़तंत्र हटाओ

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आगामी 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित होने वाले लोकतंत्र बचाओ भीड़तंत्र हटाओ अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई बैठक में अभियान की रूपरेखा संगठनात्मक तैयारियों तथा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जन तक अभियान के उद्देश्यों को पहुंचाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई बैठक का शुभारंभ भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्रों पर दीप प्रज्वलन कर किया गया बैठक में मुख्य रूप से सांसद फगन सिंह कुलस्ते भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा एवं जिला उपाध्यक्ष राजेश जैन ने अभियान की आवश्यकता उद्देश्यों और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर अपने विचार रखे।

मां खोडियार रास

गरबा सम्पन्न

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । सुभाष वार्ड में आयोजित पांच दिवसीय मां खोडियार रास गरबा महोत्सव का गरबा-डोंडिया की थाप उत्साह और उमंग के बीच समापन हुआ। समापन समारोह में लोकसभा सांसद फगन सिंह कुलस्ते शामिल हुए। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां खोडियार के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद प्रतिभागियों ने गरबा और डोंडिया की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

सीएम ने ली

समीक्षा बैठक

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान जन समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रारंभ किया गया अभियान है। सरकार की प्राथमिकता वाले इस अभियान में सभी अधिकारियों को फील्ड में जाना ही है। सभी अधिकारी इस दिन फील्ड में रहकर अधिकतम जनसमस्याओं को मौके पर ही निराकृत करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब वे बिना कोई सूचना दिए आकस्मिक रूप से किसी भी जिले में उतरकर वहां जन विश्वास अभियान में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन जिलों में जनसमस्याओं की लंबित स्थिति बनी हुई है।

सबको देते हैं साहब, तभी तो आपसे ले रहे हैं...सेवानिवृत्त प्राचार्य से पेंशन प्रक्रिया के नाम पर वसूले 25 हजार, जनसुनवाई में पहुंचा मामला

मण्डला (स्वतंत्रमत) ।

बीजाडांडी विकासखंड शिक्षा अधिकारी अवधेश दुबे पर सेवानिवृत्त प्राचार्य ने 25 हजार की रिश्तत लेने के आरोप लगाए हैं। जिसकी शिकायत कलेक्टर से की गई है। डॉ विजय दुबे जो कि शासकीय हाईस्कूल मगरधा जनजाति विभाग बीजाडांडी में पदस्थ रहे हैं। उन्होंने बताया कि 30 जून को वे प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उनके पेंशन सहित तमाम भुगतान के लिए वे विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे इस दौरान तमाम बहाने बनाकर उन्हें गुमराह किया जा रहा था तो वहीं लंबी राशि भी मांगी जा रही थी जिसकी शिकायत उन्होंने जनसुनवाई में की है। बता दें कि कार्यालय बीजाडांडी में लंबे समय से लापरवाही रिश्तत खोरी चल रही है। यहां पदस्थ बीईओं के संरक्षण में शाखा प्रभारियों की मौज है। शिक्षकों से अवैध वसूली का क्रम जारी है। तो वहीं दूरदराज के स्कूलों में कई तरह के खेल चल



रहे हैं और सबसे बड़ा संरक्षण सहायक आयुक्त मंडला ने दे रखा है जिनके संरक्षण में जिले भर के बीईओ अपने ही कर्मचारियों को परेशान कर रहे हैं तो वहीं निर्माण खरीदी छात्रावासों की देखरेख में भी लगातार शिकायतें मिल रही हैं। ऐसा ही एक मामला कलेक्टर के सज्ञान में लाया गया है। लेकिन उम्मीद कम है कि पीड़ित शिक्षक को न्याय मिल सके क्योंकि यह जांच सहायक आयुक्त कार्यालय भेजी गई है जहां पर पहले से ही सैकड़ों शिकायत लंबित पड़ी है यहां पर शिकायतों पर टोस कार्यवाही की जगह दबाव बनाकर

समझौता आदि कराया जाता है। सरकारी सेवा में वर्षों तक जिम्मेदारियां निभाने के बाद जब एक कर्मचारी सेवानिवृत्त होता है तो उसे अपने वैधानिक स्वत्वों के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ने चाहिए। लेकिन जिले में जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल मगरधा विकास खंड बीजाडांडी से 30 जून को सेवानिवृत्त हुए प्राचार्य डॉ. विजय दुबे की शिकायत ने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि का भुगतान अब तक

नहीं हुआ जबकि पेंशन प्रक्रिया के नाम पर उनसे 25 हजार रुपये लिए गए। मामले की शिकायत कलेक्टर तक पहुंचने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्रकरण का सज्ञान लेते हुए जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी विष्णु सिगौर को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए हैं सवाल केवल एक सेवानिवृत्त प्राचार्य के भुगतान का नहीं है बल्कि उस व्यवस्था का भी है जिसमें वर्षों तक शासन की सेवा करने वाले कर्मचारी को अपनी ही मेहनत की कमाई पाने के लिए शिकायत लेकर प्रशासन के दरवाजे तक

पहुंचना पड़ रहा है। अब निगाहें विभागीय कार्यवाही और लंबित भुगतान पर टिकी हैं डॉ. विजय दुबे ने 13 अक्टूबर को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर अपने सेवानिवृत्ति संबंधी स्वत्वों का भुगतान कराने मांग की। आवेदन के अनुसार उनका पेंशन भुगतान आदेश पीपीओ जारी हो चुका है इसके बावजूद जीपीएफ, अवकाश नगदीकरण, पेंशन एवं ग्रेच्युटी से संबंधित देयकों का भुगतान लंबित है यह स्थिति कई सवाल खड़े करती है। जब पेंशन भुगतान आदेश जारी हो चुका है तो अन्य

सेवानिवृत्ति संबंधी स्वत्वों के भुगतान में देरी की वजह क्या है संबंधित प्रकरण किस स्तर पर लंबित है क्या दस्तावेजों की कमी है कोई तकनीकी अड़चन है या फिर विभागीय प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब हो रहा है? इन सवालों का स्पष्ट जवाब सामने आना जरूरी है सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि किसी कर्मचारी पर विभाग का एहसान नहीं बल्कि नियमानुसार देय अधिकार है। ऐसे में भुगतान में देरी होने पर विभाग की जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति स्पष्ट करे और पात्र कर्मचारी को उसके हक की राशि समय पर

उपलब्ध कराए शिकायत का सबसे गंभीर पहलू पेंशन प्रक्रिया के नाम पर कथित रूप से 25 हजार रुपये लिए जाने का है। डॉ. दुबे ने अपने आवेदन में दो ऑनलाइन लेनदेन का उल्लेख किया है। उनके अनुसार 24 अप्रैल को 10 हजार रुपये कार्यालय कर्मचारी सतेन्द्र के खाते में तथा 26 जून को 15 हजार रुपये रोहित के खाते में हस्तांतरित किए गए शिकायतकर्ता का आरोप है कि दोनों लेनदेन के बावजूद उन्हें इस राशि की कोई पावती नहीं दी गई। उन्होंने सवाल उठाया है कि यदि पेंशन प्रक्रिया के नाम पर राशि ली गई थी तो फिर उनके सेवानिवृत्ति संबंधी स्वत्वों का भुगतान अब तक क्यों नहीं हो पाया हालांकि 25 हजार रुपये लेने संबंधी आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। संबंधित व्यक्तियों का पक्ष लेनदेन का पूरा संदर्भ और विभागीय जांच के निष्कर्ष सामने आना बाकी है डॉ. दुबे का कहना है कि 30 जून को सेवानिवृत्त होने के बाद तीन महीने से अधिक समय बीत चुका है लेकिन उन्हें अपने स्वत्वों की पूरी राशि नहीं मिली है।

माता महाकाली दरबार में सुहागली पूजा



मण्डला/बिछिया (स्वतंत्रमत) । भुआ बिछिया नगर के वार्ड नंबर 2 मुक्त मार्ग स्थित माता महाकाली उत्सव समिति के दरबार में नवरात्रि उत्सव मनाया गया। यहां पिछले 12 वर्षों से लगातार माता महाकाली की मूर्ति की स्थापना की जा रही है। समिति की विशेष परंपरा के अनुसार माता की मूर्ति का विसर्जन नवरात्रि के तुरंत बाद

नहीं बल्कि शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर किया जाता है जिससे भक्तों को लंबे समय तक माता के दर्शन और सेवा का सौभाग्य प्राप्त होता है यहां पर विशेष सुहागले कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत माताओं-बहनों द्वारा गरबा कलश पूजन से हुई कलश पूजन के पश्चात सभी महिलाओं ने माता के दरबार में

भक्तिमय गरबा नृत्य कर माहौल को भक्तिमय बना दिया गरबा के पश्चात मुख्य कार्यक्रम सुहागले का शुभारंभ हुआ विधि-विधान से माता महागौरी महाकाली का का पूजन-अर्चन किया गया इस अवसर पर उपस्थित 50 से अधिक सुहागिन महिलाओं ने सामूहिक रूप से माता को सुहाग सामग्री अर्पित कर अपने पति की दीर्घायु परिवार की सुख-समृद्धि और सदा सुहागन रहने का आशीर्वाद मांगा पूजन के उपरांत महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशिलता मिश्रा के द्वारा समस्त माता-बहनों को सुहाग की निशानी के रूप में चूड़ी, बिंदी, सिंदूर और माता का प्रसाद वितरित किया गया। पुजारी मदन गिरी गोस्वामी कोरागांव एवं पंडा अनुज उपाध्याय ने बताया माता महाकाली के दरबार में जो भी अच्छे मन से मन्नत मांगता है उसकी मन्नत पूरी होती है।

श्रीराम सेवा संकल्प के ट्रांसपोर्ट महोत्सव में छात्रों का सम्मान

मण्डला (स्वतंत्र मत) । श्रीराम सेवा संकल्प के तत्वावधान में आयोजित नवगति-हर सफर में प्रगति ट्रांसपोर्ट परिवार महोत्सव के अंतर्गत एजुकेशन स्कॉलर प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडला स्टाफ का विशेष योगदान रहा। शाखा प्रबंधक सहित स्टाफ ने कार्यक्रम में शिरकत की और कार्यक्रम को सफल बनाया। यहां बालाघाट क्षेत्र के कक्षा 7वीं से 12वीं तक के करीब एक हजार मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, विशिष्ट अतिथि बालाघाट सांसद भारती पारधी, लांजी विधायक राजकुमार कराहें, पूर्व आयुष मंत्री रामकिशोर कांवेरे रहें। विशेष अतिथि के रूप में श्रीराम फाइनंस लिमिटेड मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के बिजनेस यूनिट हेड सचिन सिंह शेखावत और भोपाल जोनल बिजनेस हेड



संतोष सिंह, मंडला एवं बालाघाट के रीजन कलेक्शन हेड राजमणि राजक व मंडला और बालाघाट के शाखा प्रबंधक एवं कंपनी का स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में चयनित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र के साथ छात्रवृत्ति राशि प्रदान की गई। मुख्य अतिथि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों के अपने बच्चों के भविष्य की चिंता रहती है। शिक्षा के बिना जीवन में ऊंचाई हासिल करना संभव नहीं है। शिक्षा के क्षेत्र में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय

है। विद्यार्थियों को मिलने वाली यह राशि उनकी पढ़ाई में निश्चित रूप से मददगार साबित होगी। बालाघाट सांसद भारती पारधी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की यह पहल सराहनीय है। इस तरह की छात्रवृत्ति बच्चों को पढ़ाई के साथ अपने भविष्य के लिए बेहतर लक्ष्य तय करने में मदद करती है। श्रीराम फाइनंस के मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ बिजनेस यूनिट हेड सचिन सिंह शेखावत ने बताया कि कंपनी पिछले 12 वर्षों से ट्रांसपोर्टर्स और ट्रैवलर्स से जुड़े परिवारों के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट से जुड़े कई परिवारों के सदस्य अपने परिवार से कई महीनों तक दूर रहकर काम करते हैं और

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए मेहनत करते हैं। ऐसे परिवारों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि ऐसे बच्चे आगे बढ़ें और अपने परिवार गांव जिले और प्रदेश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में शामिल अतिथियों और विद्यार्थियों का उन्होंने आभार व्यक्त किया। भोपाल जोनल बिजनेस हेड संतोष सिंह ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य ऐसे परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ाना है जिनमें प्रतिभा और आगे बढ़ने की इच्छा तो है लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण उन्हें कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता है।

60 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए चयनित किया गया। कार्यक्रम में बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह, बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा श्रीराम फाइनंस के मंडला और बालाघाट शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कुएं में मिला युवक का शव

मण्ड ला (स्वतंत्रमत) । कोतवाली थाना क्षेत्र में बिनाका से कटरा रोड के पास शुक्रवार को एक कुएं में 22 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में ससस्ती फैल गई। मृतक की पहचान बिनाका निवासी गौरव चंद्रोल के रूप में हुई है जो 20 अक्टूबर से लापता था सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया जानकारी के अनुसार गौरव के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की थी काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर गुरुवार को कोतवाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी शुक्रवार को कुएं में शव मिलने की सूचना से परिजनों में शोक का माहौल है मृतक के बड़े भाई दुर्गाश चंद्रोल ने बताया कि गौरव दशहरा घूमने के लिए घर से निकला था अगले दिन तक उसके वापस नहीं लौटने पर परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की।



सुरक्षा जवानों की भर्ती शिविर में चयन

मण्डला/मोहगांव (स्वतंत्रमत) ।

जिला प्रशासन के निर्देशन में जनपद पंचायत मोहगांव स्थित आजीविका मिशन कार्यालय में एसआईएस द्वारा सुरक्षा जवानों की भर्ती के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के विभिन्न ग्रामों से पहुंचे युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भर्ती प्रक्रिया के तहत युवाओं का विधिवत परीक्षण एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चयन किया गया इस भर्ती शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। शिविर के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जुड़ने का अवसर मिला कार्यक्रम में एसआईएस की ओर से लक्ष्मी नारायण यादव, जिला पंचायत सदस्य शिव पूषाम, जनपद पंचायत के पीसीओ महेंद्र, आजीविका मिशन प्रबंधक मुकेश नंदा, राजकुमार यादव, सहायक विकासखंड प्रबंधक रजनी यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं सीआरपी दीदियां उपस्थित रहें शिविर के आयोजन में आजीविका मिशन की भूमिका महत्वपूर्ण रही इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास किया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक झारिया ने डायलिसिस मशीन के लिए दिए 2 लाख रुपये

नैनपुर (स्वतंत्र मत) । जनसेवा और सामाजिक सरोकार की भावना को साकार करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक झारिया ने सिविल अस्पताल नैनपुर में डायलिसिस मशीन के लिए 2 लाख रुपये की सहयोग राशि का चेक रोगी कल्याण समिति को प्रदान किया। एसडीएम नैनपुर की उपस्थिति में यह चेक समिति को सौंपा गया। श्री झारिया का यह सहयोग नैनपुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से डायलिसिस कराने आने वाले मरीजों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। डायलिसिस जैसी आवश्यक



चिकित्सा सुविधा के लिए मरीजों और उनके परिजनों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया यह

आर्थिक सहयोग सराहनीय है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए समाज के जागरूक एवं संवेदनशील नागरिकों का योगदान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अशोक झारिया द्वारा दिया गया यह

सहयोग इसी सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का परिचायक है। उनकी इस पहल से जरूरतमंद मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

संपादकीय

अब नया विरोधाभास

अब चुनाव आयोग के भीतर नए गंभीर विरोधाभास उभर आए हैं। ताज़ातरीन मामला महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी एस. चोकलिंगम का है। उन्होंने चुनाव आयोग को सुझाव भेजा है कि फॉर्म 6 से ‘नए मतदाता के लिए’ शब्द हटा दिए जाएं, क्योंकि उसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। मतदाताओं के दोबारा पंजीकरण के लिए भी फॉर्म 6 भरवाया जा रहा है, जबकि घोषित, कानूनी रूप से फॉर्म 6 उन्हीं से भरवाया जाना चाहिए, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और पहली बार मतदाता बन रहे हों। जिन पुराने मतदाताओं के नाम ‘विशेष गहन पुनरीक्षण’ की प्रक्रिया के दौरान छूट गए अथवा काट दिए गए, उनसे भी फॉर्म 6 भरवा कर ‘गलत घोषणा’ कराई जा रही है कि वे पहली बार मतदाता बन रहे हैं। वे इससे पहले कभी भी मतदाता नहीं रहे। यही गंभीर, कानूनी विरोधाभास है। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 के मुताबिक, फॉर्म 6 में ‘गलत घोषणा’ करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मतदाता को 1 साल की जेल हो सकती है। ज़ुर्माने का भी प्रावधान है। जेल और ज़ुर्माने की सजाएं एक साथ भी दी जा सकती हैं। विरोधाभास के साथ सवाल भी है कि चुनाव आयोग फॉर्म 6 की व्यवस्था बदल नहीं रहा और एक राज्य के सीईओ सरीखे शीर्ष अधिकारी ने मौजूदा शब्दावली और व्यवस्था को ‘गलत, अवैध’ करार देते हुए उसे बदलने का प्रस्ताव भेजा है। सवाल है कि क्या चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव कर सकता है? क्या पुराने मतदाताओं से भी, दोबारा पंजीकरण के लिए, फॉर्म 6 जबरन भरवाया जा रहा है? फॉर्म 8 के जरिए ये पंजीकरण क्यों नहीं किए जा रहे? दरअसल चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव नहीं कर सकता। उसके लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय 1960 के कानून के तहत संशोधन या बदलाव करके उसकी अधिसूचना जारी कर सकता है। यदि मामला ज्यादा पेचीदा और संवैधानिक दर्जे का है, तो संसद के पटल पर प्रस्ताव पेश और पारित कराया जा सकता है। अब फॉर्म 6 की शब्दावली बदलने और संलग्न हलफनामे को हटाने का नया बवाल उभर आया है, तो चुनाव आयोग को मंथन करना पड़ेगा। चूंकि सर्वोच्च अदालत ने भी आयोग से हलफनामे के जरिए स्पष्टीकरण मांग रखा है कि फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र नथी करने का आदेश कब और किसने दिया? क्या वह फैसला तीनों आयुक्तों ने सर्वसम्मति से लिया अथवा सीईसी का ही फैसला था? इनके जवाब प्रमाण सहित देने पड़ेंगे, लिहाजा पुरानी शब्दावली हटाने का जोखिम भी आयोग नहीं ले सकता। अंततः गंभीर और संवैधानिक सवाल है कि ‘विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण’ (एसएसआर) के जरिए देश के 17 राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों में जिन मतदाताओं के नाम नए सिर से जोड़े जा रहे हैं, क्या उन्हें फॉर्म 6 के जरिए ही पंजीकृत किया जा रहा है? यह प्रक्रिया पूर्णतः ‘अवैध’ है। चुनाव आयोग की लंबी खामोशी से समस्या का समाधान नहीं मिलेगा, लिहाजा सीईसी और दोनों चुनाव आयुक्तों को एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धुंध को साफ करना चाहिए। आयोग देश से बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं है। उसे अपनी छवि और प्रतिष्ठा की रक्षा करनी चाहिए। अभी तक एसआईआर में करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। उनमें करीब 2.80 करोड़ ‘निवात’ हो चुके हैं। यह छंटनी अपरिहार्य है। शेष 10.57 करोड़ नाम मतदाता सूचियों में फिर जोड़े जा सकते हैं, यह हमारा भरोसा है, क्योंकि एक भी नागरिक को ‘मताधिकार’ के संवैधानिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। इनमें करीब 6.30 करोड़ मतदाता ‘शिफ्ट’ माने जा रहे हैं। वे देश में कहीं और स्थानांतरित हो गए होंगे, क्या नई जगह उनका वोट बना है? महाराष्ट्र के सीईओ का यह सुझाव भी है कि ऐसे मामलों में मतदाता के पुराने ‘एपिक’ नंबर का इस्तेमाल करने की भी अनुमति दी जाए। यह ‘एपिक’ मतदाता पहचान पत्र पर अंकित होता है। दरअसल एसआईआर प्रक्रिया ही एक ‘मजाक’ साबित हुई है। उस पर रोक लगा देनी चाहिए, क्योंकि एसएसआर ही पर्याप्त है।

अधीर समय बढ़ता मनुष्य की बेचैनी का ग्राफ

डॉ. प्रदीप कुमार राय

‘मैं 12 तक गिनता हूं। जब तक मेरी 12 की गिनती पूरी हो, तुम अपनी देह में लौट आना, जहां तुम अक्सर रहते नहीं हो, जबकि तुम्हें रहना चाहिए। जब तक 12 की गिनती पूरी हो, तुम खुद को शांत-शांत और शांत करते हुए विश्रांति की अवस्था में चले जाना।’ यह आह्वान नोबेल पुरस्कार विजेता चिली मूल के लेखक पाब्लो नेरूदा ने 76 साल पहले अपनी कविता ‘कीपिंग क्राइट’ में पूरी मनुष्य जाति से किया था। मनुष्य के भीतर अनंत बेचैनी देखकर। एक बड़ा प्रश्न है कि दशकों पहले मनुष्य के जीवन में कोई बहुत रफ्तार और व्यस्तता देखकर ही तो पाब्लो ने यह आह्वान किया होगा। मनुष्य के अंदर बहुत भारी बेचैनी देखे बिना तो उन्होंने इतनी गहरी कविता लिखी नहीं होगी।

अगर अब तुलना करें कि उस समय के मुकाबले हम मनुष्य कितने गुना अधिक व्यस्त और बेचैन हुए होंगे! बल्कि अब हम खाली व्यस्त नहीं, बल्कि अस्त-व्यस्त हैं। यानी हमारी बेचैनी का ग्राफ तब के मुकाबले सैकड़ों गुना बढ़ा होगा, इसमें तो कोई संदेह ही नहीं है। अब के मुकाबले तब की बेचैनी बहुत कम ही होगी। बड़े लक्ष्य हासिल करने और तकनीक व स्क्रीन से इतनी लिपटने की तब इतनी संभावनाएं ही नहीं थीं। फिर भी उस कालखंड के लोगों का सौभाग्य देखिए कि पाब्लो जैसा उद्धट विद्वान उनको शांतचित्त करने के लिए 12 तक की गिनती करने खड़ा हो गया। और लोगों ने सुन भी लिया। और लोगों के पास सुनने का समय भी था। इस दौर में हमारे लिए यह गिनती करने कौन आसान? हालांकि, आज भी संत-फकीर लोगों को अनावश्यक बेचैनी के प्रति चेता रहे हैं, पर बदलते वक़्त की नब्ब देखते हुए वे 12 तक की गिनती तक का समय लोगों



को शांत होने के लिए देने का प्रयोग नहीं कर रहे। और अगर किसी दार्शनिक ने आज ऐसा कह भी दिया कि मैं मनुष्य जाति को पांच-दस तक की गिनती का समय दूँ और वे अपने मूल में लौट आएँ, फिर भी हम पांचवें गियर में चल रहे डिजिटल युग के मानव इतनी गति में तन और मन पर अचानक ब्रेक कहाँ लगा देंगे? मौजूदा स्थिति को देखकर, जहां सभी संदेशों को माइक्रो ड्रामा प्रारूप यानी बहुत कम सेकंड का बनाया जाता है, वहां ऐसा लक्ष्य रखने की संभावना कोई भी नहीं दूँगा। पर आज मनुष्य जाति की दशा के नज़रिए से देखें, तो उसकी रफ्तार और बेचैनी को विराम देने के लिए 12 तक की गिनती भी बड़ी है। वास्तव में तो तीन तक गिनने का समय ही दिया जाना चाहिए। आज मनुष्य का ज्ञान तो कमजोर नहीं है। उसे यह तो पता है कि वह एक अथक परिक्रमा में चल पड़ा है। अपार

सूचना से घिरे रहने के कारण उसे यह भी पता है कि मनुष्य की ध्यान टिकाने की क्षमता (अटेंशन स्पैन) आठ सेकंड से थोड़ी-सी ज्यादा रह गई है। उसे इतना भान तो होगा कि दिन के एक बड़े हिस्से में आंखों ने स्क्रीन के अलावा कुछ और न देखा हो, तो फिर ध्यानाकर्षण तो निर्बल होगा ही। सोशल मीडिया की अनंत स्कॉलिंग और उसमें भी ढेरों रैरेटिव की तुलना करने से जिस बहाव के साथ मनुष्य बह रहा है, उसमें उसे ठहराव लेने का रास्ता नहीं सूझ रहा? विशेषज्ञ कहते हैं कि आज मनुष्य के बैठने-उठने का तरीका (पॉस्चर) भी मनुष्य बना नहीं रहा। अब यह आई-पॉस्चर यानी आईफोन से निकाला पॉस्चर हो चुका है। और इन दिनों एक और भारी विसंगति मनुष्य जाति अपने हाथों पैदा कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ मनुष्य स्वयं घोषणा कर रहा है कि बस, असली बात तो मशीन

ही सोच सकती है। असली क्वांटिव तो मशीन ही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मोह में मनुष्य इतना पड़ गया कि कृत्रिम व्यवहार करने लग गया है। इसका सम्यक् प्रयोग तो उचित है, पर मनुष्य तो इसके मोहपाश में अपने कॉग्निटिव ओवरलॉड को और अधिक बढ़ाने पर जुट गया है। अभी हाल में प्रकाशित अपनी किताब ‘ह्यूमन फर्स्ट, मशीन सेकंड’ में टेक जगत की बड़ी हस्ती विनीत नायर ने कहा कि मनुष्य अपनी सारी क्षमताओं का एआई के सामने समर्पण करके खुद को बेवजह निर्बल बना रहा है। उन्होंने कृत्रिम मेधा के अत्यधिक मोहपाश में बंधे मनुष्य को अपनी किताब में यह समझाया- ‘एआई इज़ गाइड, नॉट गॉड।’ अर्थात् एआई सहायक है, भगवान नहीं है। विशेषज्ञों को डर है कि मनुष्य कहीं मशीन के सहारे बड़े लक्ष्य पाने की चाह में अपनी वास्तविक चेतना न खो बैठे। और फिर... अनंत की तरफ जात मनुष्य की व्याकुलता के कारण डिजिटल माध्यम तक ही सीमित नहीं है। सुख और समृद्धि के लक्ष्य भी निरंतर बढ़ रहे हैं और उनकी परिभाषाएं रोज बदल रही हैं। वे भीतर बड़ी रफ्तार पैदा कर रही हैं। इन सबसे उपजी तीव्र गति वाली व्यग्रता, जिसे प्रायः कम शिक्षित लोग भी अब अंग्रेजी शब्द ‘एंग्जाइटी’ ही कहकर पुकारते हैं, एक खतरनाक रूप ले चुकी है। यह एंग्जाइटी पूरे संसार में भारी रोग बनती जा रही है। कितने भयंकर रोग मनुष्य को एंग्जाइटी ने दिए हैं! उसने मनुष्य का नीर-क्षीर विवेक भी छीन लिया है। मनुष्य को इन सब अनंत, अपार लौड़ों में ठहराव देने कोई आकर पास में खड़ा नहीं हो सकता। शायद मनुष्य को अपने को ठहराव देने के लिए पाब्लो की सुझाई गिनती अपने लिए खुद ही बोलनी होगी। अंत में-आपके बारह हैं, आपकी बारी है, आपने ही बोलना है।

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति



हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है। समाज के सामने एक दूसरी चुनौती संवाद की गुणवत्ता की है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, लेकिन हर अभिव्यक्ति संवाद नहीं होती। संवाद में सुनना भी शामिल है, जबकि डिजिटल संसार में प्रतिक्रिया देने की जल्दबाजी कई बार सुनने की क्षमता को पीछे छोड़ देती है। असहमति होते ही बहस व्यक्तिगत आरोपों में बदल जाती है। विचारों का आदान प्रदान धीरे-धीरे विचारों की टकराहट में बदलने लगता है। इससे सामाजिक विश्वास कमजोर होता है।

यहां यह समझना आवश्यक है कि समस्या सोशल मीडिया स्वयं नहीं है। तकनीक एक साधन है, उसका उपयोग उसे उपयोगी या नुकसानदेह बनाता है।

हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है। समाज के सामने एक दूसरी चुनौती संवाद की गुणवत्ता की है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, लेकिन हर अभिव्यक्ति संवाद नहीं होती। संवाद में सुनना भी शामिल है, जबकि डिजिटल संसार में प्रतिक्रिया देने की जल्दबाजी कई बार सुनने की क्षमता को पीछे छोड़ देती है। असहमति होते ही बहस व्यक्तिगत आरोपों में बदल जाती है। विचारों का आदान प्रदान धीरे-धीरे विचारों की टकराहट में बदलने लगता है। इससे सामाजिक विश्वास कमजोर होता है।

यहां यह समझना आवश्यक है कि समस्या सोशल मीडिया स्वयं नहीं है। तकनीक एक साधन है, उसका उपयोग उसे उपयोगी या नुकसानदेह बनाता है।

सोशल मीडिया ने आपदा के समय सहायता पहुंचाने, ज्ञान साझा करने, रोजगार और व्यवसाय के अवसर पैदा करने तथा दूर रह रहे परिवारों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब पैदा होती है जब सामान्य जीवन का विकल्प बनने लगे। इसलिए समाधान तकनीक से पलायन नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में है। परिवारों को प्रतिदिन कुछ समय ऐसा निर्धारित करना होगा, जब मोबाइल और अन्य स्क्रीन किनारे रखकर केवल एक-दूसरे से बात की जाए। बच्चों के साथ संवाद को केवल उनकी पढ़ाई और अनुशासन तक सीमित न रखकर उनके विचारों, मित्रताओं, भय और सपनों तक ले जाना होगा। बुजुर्गों को डिजिटल दुनिया में शामिल करने के साथ-साथ उनके अनुभवों को सुनने के लिए भी समय देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें ‘कनेक्टेड’ होने और ‘जुड़े’ होने के अंतर को समझना होगा। कनेक्शन तकनीक बनाती है, संबंध मनुष्य बनाता है। हजारों संपर्कों की सूची किसी एक

सच्चे मित्र का स्थान नहीं ले सकती। सैकड़ों प्रतिक्रियाएं उस एक आत्मीय बातचीत का विकल्प नहीं बन सकतीं, जिसमें सामने वाला हमारी बात केवल सुनता ही नहीं, समझता भी है।

आज आवश्यकता सोशल मीडिया छोड़ने की नहीं, बल्कि उसके बीच अपनी सामाजिक संबेदनशीलता बचाए रखने की है। हमें फिर से पड़ोसी से परिचय, मित्र से मुलाकात, परिवार के साथ भोजन और बिना किसी स्क्रीन के बातचीत जैसी छोटी-छोटी मानवीय परंपराओं को जीवन में स्थान देना होगा। क्योंकि मनुष्य को केवल सूचना नहीं, उसे आत्मीयता भी चाहिए। उसे केवल दर्शक नहीं, श्रोता चाहिए, केवल फॉलोअर नहीं, साथी चाहिए। यदि तकनीक हमें हजारों लोगों तक पहुंचा सकती है, तो हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उन हजारों संपर्कों के बीच अपने लोगों से हमारा वास्तविक संबंध कमजोर न हो।

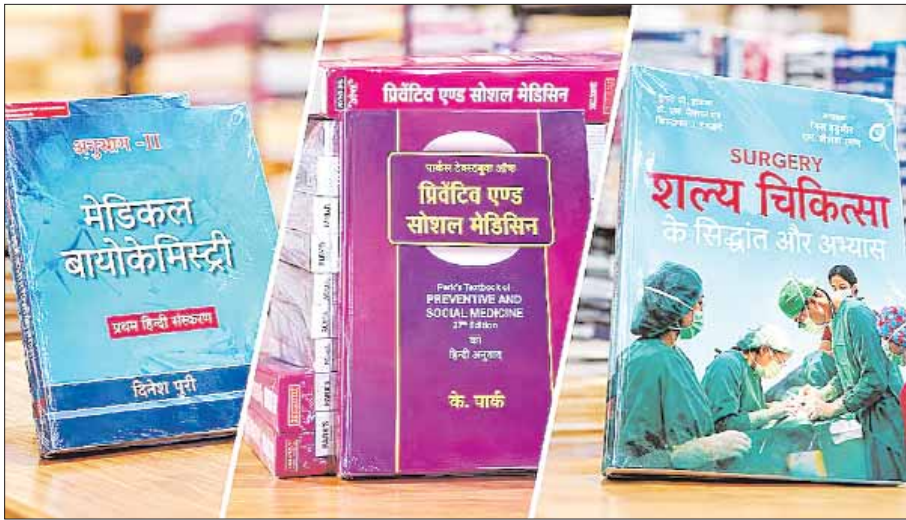
सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता समाज हमारी तकनीक नहीं है। यह एक चेतावनी है। तकनीक हमारे हाथ में रहे, जीवन पर उसका नियंत्रण न हो, यही संतुलन आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।



मानसी मिश्रा

हिंदी दिवस मनाए अभी कुछ दिन ही बीते हैं। बड़े-बड़े मंचों से हिंदी का गुणागान सुना, ‘आई लव हिन्दी’ वाले स्टैटस आंखों के रस्ते दिल में उतरे भी नहीं थे कि भाई लोगों ने एक नई बहस छेड़ दी। ये लोग मध्यप्रदेश में ‘हिंदी में एमबीबीएस’ का पूरा डेटा खोदकर ले आए। बताया कि यहां करोड़ों रुपये स्वाहा हो गए, 50 हजार किताबें छपीं लेकिन तीन साल में एक भी ‘लाल’ ने डॉक्टरी परीक्षा में हिंदी में उत्तर लिखने की जुर्रत नहीं की!

हिंदी में एमबीबीएस की ये तैयारी 2022 में ही शुरू हो गई थी। मध्यप्रदेश ने हिंदी का ये बीड़ा ऐसे उठाया था कि प्रधानमंत्री से लेकर गृह मंत्री तक सबने हुक्मरानों की पीठ थपथपाई। फिर क्या था शिवराज जी ने मंच संभाला, 300 डॉक्टरों की फीज लगाई जो दिन-रात एक करके लगे रहे। डॉक्टरी की मोटी-मोटी किताबें हिंदी में छप गईं। ऐसा माहौल बना था जैसे सब हिंदीमय होने वाला है? लेकिन चार साल बाद ‘नौ दिन चले अढ़ाई कोस!’ वाली फीलिंग ही रह गई है। समझ नहीं आता कि आखिर इसमें एकबारगी करोड़ों खर्च करने की जरूरत क्या थी? जिस देश में पब्लिक स्कूलों में हिंदी बोलने पर बच्चों को डांट पड़ती है। बच्चे के अंग्रेजी बोलने पर मां-बाप का सीना चौड़ा हो जाता है, वहां डॉक्टर हिंदी पढ़कर कैसे बन जाएं। चलो माना बन भी सकते हैं, दूसरे देशों जैसे चीन



और रूस में भी तो अपनी भाषा में ही पढ़कर डॉक्टर बनते हैं। उन्हें पता है कि एमबीबीएस के बाद जब वे एमडी या एमएस का एंट्रेंस देंगे, तो पेपर हिंदी में नहीं आएगा। इसके बाद जब वे अमेरिका या ब्रिटेन का लाइसेंस परीक्षा देंगे, तो वहां कोई ‘हिंदी मीडियम’ का कोटा नहीं मिलेगा। उन्हें यह भी डर सताता है कि अगर आंसर शीट में हिंदी लिख दी, तो जांचेंगे अंग्रेजीदां प्रोफेसर साहब ही। सरकारों को समझना होगा कि अचानक ‘आगे दौड़, पीछे छोड़’ नीति काम नहीं करने वाली। लेकिन अब कोई कहे कि क्या मातृभाषा में पढ़ाने का विचार ही गलत था? तो इसका जवाब होगा- बिल्कुल नहीं। सामने रतलाम मेडिकल कॉलेज का उदाहरण है जहां 80 परसेंट छात्रों के हाथों तक ये हिंदी किताबें पहुंचीं और वे इसका इस्तेमाल भी कर रहे हैं। क्यों? क्योंकि वहां के डीन और प्रोफेसरों ने इसे इगो की लड़ाई या ‘ऊपर से आया सरकारी फरमान’ नहीं माना। उन्होंने छात्रों को समझाया कि यह कोई अंग्रेजी का विकल्प

नहीं, बल्कि विषय को आसानी से समझने का एक जरिया यानी रेफरेंस मैटेरियल भर है, इसे ऐसे ही अपनाना चाहिए। सच पूछिए तो यही असली पेंच भी है। अगर चीन और जापान अपनी भाषा में डॉक्टर बना रहे हैं तो उन्होंने अचानक किसी दिन इसे लागू नहीं किया। वहां अनुवाद के सहारे मातृभाषा की थाली नहीं परोसी गई। वहां विषय की समझ ही उसी भाषा में दी गई है। अगर भारत में हमें कुछ बदलना है तो पहले हमें हिंदी भाषा की जमीनी सच्चाई से जुड़ना हो। हम हिंग्लिश बोलने वाले लोग अचानक शुद्ध हिंदी में अपने जन्जात तो कह नहीं सकते, फिर पढ़ाई कैसे कर पाएंगे। हमें हिंदी का भारतीय मॉडल ही मदद करेगा। सच पूछिए तो ऐसा हो कि कक्षा में मास्टर साहब समझाएं हिंदी या देसज बोली में, टर्मस रहने दें अंग्रेजी वाले, और किताब हो ऐसी जो गांव के लड़कें को भी अपनी मां की बोली जैसी सहज लगे। लेकिन अगर हमने अब भी नीतियां सिर्फ वोट बैंक और

सुखियां बटोरने के लिए बनाई, तो हर साल हिंदी दिवस पर ऐसी ही नौटंकी होगी, किताबें छपेंगी, बजट ठिकाने लगेगा, और छात्र अंग्रेजी की पुरानी लीक पर ही चलने को मजबूर होंगे। अगर वाकई हिंदी को मेडिकल शिक्षा

की रगों में दौड़ाना है, तो अनुवाद की हड़बड़ी छोड़िए और रतलाम के मॉडल से सीखना। वरना, नीम हकीम खतरे जान वाली कहावत मेडिकल पढ़ाई के सिस्टम पर भी पूरी तरह फिट बैठने लगेगी।

असहमति की आवाज कानून और संविधान के विरुद्ध नहीं

विश्वनाथ सचदेव

दशकों पुरानी बात है, जब मैंने पहली बार प्रदर्शनकारियों को यह नारा लगाते सुना था-सरकार बदलने वाला नारा। जिस जोश से यह नारा लगाया जा रहा था, उसे मेरे बाल मन ने कहीं गहरे तक छुआ होगा, तभी तो आज तक याद है। वह नारा था-‘रोटी-रोजी दे न सके जो, वह सरकार निकम्मी है। जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।’

नारा लगाने वालों के हाथों में ‘जनसंघ’ के झंडे थे। कल की वही जनसंघ पार्टी आज भारतीय जनता पार्टी कहलाती है। अब यह पार्टी सत्ता में है और अब इस पार्टी की सरकार बदलने के नारे लग रहे हैं। नारा लगाने वालों में प्रमुख वही कांग्रेस है, जिसकी सरकार को बदलने की बात दशकों पहले भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ किया करती थी। और इसमें कहीं गलत भी नहीं है। हमारी व्यवस्था जनतांत्रिक है। जनतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार पर नज़र रखना और जरूरत पड़ने पर उसे बदलने की कोशिश करना है। आज कांग्रेस पार्टी अन्य दलों के साथ मिलकर सत्ता बदलने की बात कर रही है। भाजपा ने चुनाव जीतकर यह सत्ता हासिल की थी। यह दूसरी बात है कि आज के विपक्ष का आरोप है कि भाजपा ने यह जीत वोट पाकर नहीं, बल्कि वोट चुराकर हासिल की है। इस ‘वोट हेराफेरी’ के खिलाफ देश में अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शन हो रहे हैं। चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। ज़रूरी है कि इन आरोपों की जांच हो। दूध का दूध और पानी का पानी होना ही चाहिए। सत्ता में बैठी ताकतें यदि कुछ गलत कर रही हैं, तो उसे सही करने के लिए हर संभव कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यह सब जनतांत्रिक तरीके से ही होना चाहिए। पिछले आठ दशकों में हमने अपने देश में जनतांत्रिक व्यवस्था को पूरी शिद्दत के साथ सुदृढ़ बनाया है।

हमारे यहां राज्यों और केंद्र में सरकारें बदली हैं। आज फिर यदि सरकार बदलने की बात की जा रही है, तो इसमें कहीं कुछ गलत नहीं है। जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता बदलने का एकमात्र उचित तरीका जनता का विश्वास प्राप्त करना है। अब तक जनता के वोट से ही सरकारें बनती और बदलती रही हैं और आगे भी जनता का विश्वास प्राप्त करना ही सरकार बनाने का वैध तरीका होगा। मतदाता के पास जाकर और उसका विश्वास जीतकर ही कोई चुनाव जीता जा सकता है। चुनाव आयोग पर ‘अनिश्चितताओं’ का आरोप लगाकर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है। आरोप यदि सही हैं,

तो इस मांग में कहीं कुछ गलत नहीं है। लेकिन हमारी व्यवस्था के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत ही पद से हटाना जा सकता है। विपक्ष उनसे इस्तीफे की मांग भी कर सकता है। देश में जिस तरह अलग-अलग स्थानों पर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं, उसे देखते हुए स्थिति सुधारने की दिशा में तत्काल कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अब विपक्ष चुनाव आयुक्त का त्यागपत्र ही नहीं मांग रहा, बल्कि सरकार बदलने की बात भी हो रही है। अब एक बार फिर यह नारा जोर पकड़ रहा है कि ‘जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।’

यह बात फिर से रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि हमारे देश में सरकार मतदाता ही बदल सकता है। सत्तापक्ष अब जोरों से यह बात कहने लगा है कि देश में चल रहे वक्तान आंदोलन का उद्देश्य चुनाव आयुक्त को हटाना नहीं, बल्कि सरकार बदलना है। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अब यह आरोप लगाने में लगी है कि विपक्ष और देश-विरोधी ताकतें सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं-और वह भी हमारे पड़ोसी नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों की तर्ज पर! यदि आज कोई बांग्लादेश से प्रेरणा लेकर भारत में सत्ता-परिवर्तन की बात कर रहा है, तो यह उसका निजी विचार हो सकता है। उसे यह समझने की आवश्यकता है कि जनतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करने वाले हमारे भारत में सत्ता-परिवर्तन वैध तरीके से ही हो सकता है और वह वैध तरीका वोट ही है। सत्तर के दशक में देश में ‘सिंहासन खाली करो कि जनता आती है’ का नारा लगा था। इस नारे में ‘सिंहासन खाली करो’ की बात जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण यह बात भी है कि इसमें जनता के आने की दुहाई दी गई है।

आज यदि कुछ तत्वों को यह लग रहा है कि वे वोट के अलावा किसी और तरीके से देश में सत्ता-परिवर्तन कर सकते हैं, तो यह उनकी खुशफहमी या नादानी ही हो सकती है। पिछले आठ दशकों का हमारा अनुभव और इतिहास इस बात का साक्षी है कि हमारी जनतांत्रिक परंपराओं की जड़ें बहुत मज़बूत और गहरी हैं। आज़ादी प्राप्त करने के बाद के पांच-छह दशकों तक देश में कोंग्रेस पार्टी का शासन रहा। फिर जनता के वोट से ही इसे बदला जा सका। मतदाता ने अपने वोट की ताकत से इंदिरा गांधी की सरकार को हटाना भी और फिर से स्थापित भी किया। अब भी, जब देश में कोई ऐसा परिवर्तन होगा, तो वोट की ताकत से ही होगा।



सुरेश हिंदुस्तानी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता तब शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता।

सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा

बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक ‘लाइक’, एक इमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंधा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता हो जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के

बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भीतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश



लाहौर की आबोहवा दुनिया में सबसे खराब

लाहौर।

एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म के अनुसार, शुक्रवार को पाकिस्तान का लाहौर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया। यहां हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर तक पहुंच गई और एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 410 के स्तर को छू गया। एक्यूआई वायु प्रदूषण को मापने का एक पैमाना है।

इसमें जितना अधिक मान (वैल्यू) होता है, हवा की गुणवत्ता उतनी ही खराब होती है और स्वास्थ्य के लिए उतना ही

अधिक खतरा होता है। स्विस मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म क्यूएआईआर के पैमाने के अनुसार, 300 से ऊपर की रीडिंग को खतरनाक माना जाता है। एक्यूआई एयर की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लाहौर में पीएम2.5 प्रदूषकों की मात्रा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के वार्षिक दिशानिर्देशों में तय सीमा से 45.2 गुना अधिक थी। पीएम2.5 हवा में मौजूद बहुत बारीक कण होते हैं, जिनका व्यास 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है। ये कण फेफड़ों में गहराई तक जा सकते हैं और रक्तप्रवाह में

प्रवेश कर सकते हैं। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। प्रांतीय सरकार के अनुसार, हर साल खासकर अक्टूबर से फरवरी के बीच लाहौर और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अन्य हिस्सों में स्मॉग (धुएं और कोहरे का मिश्रण) की समस्या देखने को मिलती है। हाल के वर्षों में, बिगड़ता वायु प्रदूषण इस प्रांत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और वायु गुणवत्ता से जुड़े

अधिकारियों ने लोगों से बार-बार अपील की है कि वे गंभीर स्मॉग के दौरान सावधानी बरतें। एक्यूआई एयर की सलाह है कि लोग बाहर व्यायाम करने से बचें, प्रदूषित हवा को अंदर आने से रोकने के लिए खिड़कियां बंद रखें, बाहर जाते समय सुरक्षात्मक मास्क पहनें और घर के अंदर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। लाहौर में बार-बार आने वाले खतरनाक स्मॉग ने यह साफ कर दिया है कि प्रदूषण फैलाने वाले तत्वों को नियंत्रित करने, हवा की गुणवत्ता की निगरानी में सुधार करने और

भारत के भी तीन शहर शामिल

इस रिपोर्ट में टॉप 10 में भारत के तीन शहर शामिल हैं। चौथे नंबर पर पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता है। वहीं, पांचवे पर देश की राजधानी नई दिल्ली है। वहीं, छठे नंबर पर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए और अधिक ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

यूक्रेन में बहाल होगी स्टारलिनक सेवा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क से की बात

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क को फोन किया था। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप ने उनसे यूक्रेन की सैटेलाइट संचार सेवा तक पूरी पहुंच बहाल करने को कहा। यह फोन उस समय किया गया, जब यूक्रेन के अधिकारियों ने सैन्य ड्रोन चलाने में नई पाबंदियां आने की शिकायत की थी।

इससे पहले 21 अक्टूबर को द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रिपोर्ट दी थी कि मस्क ने यूक्रेन के सैन्य अभियानों में इस्तेमाल होने वाले स्टारलिनक नेटवर्क की गति जानबूझकर धीमी करने का निर्देश दिया था। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिकी सेना ने यूक्रेन में इस्तेमाल होने वाली सैन्य सैटेलाइट संचार सेवा में कटौती करने या पाबंदी लगाने का कोई आदेश नहीं दिया। उन्होंने कहा, हमने कोई सेवा वापस नहीं



ली है। हमारे नजरिये से कुछ भी नहीं बदला है। हमने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया है। हम चाहते हैं कि यूक्रेन को सफलता मिले। हेगसेथ ने यह भी कहा कि संचार सेवा में बदलाव से जुड़े फैसले कंपनी की सेवा शर्तों के तहत लिए जा सकते हैं और ऐसे फैसले लेने का विकल्प स्टारलिनक के पास है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी कहा कि स्टारलिनक की सेवा धीमी करने में व्हाइट हाउस की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने बताया कि स्टारलिनक

स्पेसएक्स की व्यावसायिक सैटेलाइट संचार सेवा है, जबकि स्टारशील्ड रक्षा और सैन्य इस्तेमाल के लिए बनाई गई सेवा है, जिसका इस्तेमाल अमेरिकी सेना करती है। रूबियो के मुताबिक, यूक्रेन को फिलहाल स्टारशील्ड की सुविधा नहीं मिली है।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूस के भीतर गहरे हमले करने के लिए स्टारशील्ड तक पहुंच चाहता है, लेकिन इस समय उसके पास इसकी पहुंच नहीं है। मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका में किसी ने

भी स्टारलिनक की इंटरनेट गति धीमी करने का आदेश नहीं दिया। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के मुताबिक, स्टारलिनक की सेवा बहाल हो चुकी है। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के दावों पर भी सवाल उठाया और कहा कि उन्हें नहीं पता कि जेलेंस्की किस आधार पर बात कर रहे हैं। रूबियो ने यह भी कहा कि स्टारशील्ड का अनुबंध अमेरिकी सेना से जुड़ा है और इसका यूक्रेन या व्हाइट हाउस के कथित आदेश से संबंध नहीं है।

राष्ट्रगान की जगह बज पड़ा फिल्मी गाना

करूर। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर-2, 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे दर्शकों से अच्छा रिसांस मिल रहा है। यह मूवी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से ज्यादा और दुनियाभर में 600 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी हैं। अब तमिलनाडु के करूर में कोयंबटूर रोड पर स्थित अर्जता एलोरा सिनेमाज में फिल्म को लेकर एक विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, ऐसा आरोप है कि फिल्म शुरू होने से पहले स्क्रीन पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज दिखाया जा रहा था, लेकिन उस दौरान राष्ट्रगान की जगह एक फिल्मी गाना बजा दिया गया। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। फिल्म देखने आए लोगों ने इसे राष्ट्रगान का अपमान बताया है। आमतौर पर फिल्म शुरू होने से पहले स्क्रीन पर राष्ट्रीय ध्वज दिखाया जाता है, लेकिन इस बार जब स्क्रीन पर तिरंगा दिखाया गया, तो जन गण मन की जगह एक फिल्मी गाना बजने लगा। इस गलती से रजनीकांत के फैस और थिएटर में मौजूद दूसरे दर्शक हैरान रह गए।

डॉ. अशोक भार्गव स्टेट कमिश्नर स्काउटस नियुक्त

नई दिल्ली। डॉ.अशोक कुमार भार्गव, आईएएस पूर्व कमिश्नर रोवा एवं सहडोल संभाग को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नेशनल चीफ कमिश्नर, नई दिल्ली डॉ. केके खंडेलवाल ने मध्य प्रदेश का स्टेट कमिश्नर ऑफ स्काउट्स, एआर नियुक्त किया है। भारत स्काउट्स



एवं गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली से जारी नियुक्ति प्राधिकार पत्र में डॉ. भार्गव का कार्यकाल भारत स्काउट्स गाइड्स, मध्य प्रदेश की राज्य परिषद के कार्यकाल पर्यंत रहेगा।

उल्लेखनीय है कि डॉ. भार्गव पूर्व में रतलाम, मंदसौर और नीमच जिले के मुख्य जिला कमिश्नर स्काउट्स रह चुके हैं। इसके साथ ही डॉ.भार्गव ने भारत स्काउट गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देश पर बेसिक कोर्स फार कमिश्नर्स, चंडीगढ़

से तथा एडवांस कोर्स फार कमिश्नर्स, राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान, पचमढ़ी से सफलतापूर्वक संपन्न किया है। डॉ.भार्गव को अनेक राज्य और जिला स्तरीय रैलियों के संचालन का विशद अनुभव है। डॉ. भार्गव खुर्दा, उड़ीसा में

आयोजित सार्क देशों की तीसरी एवं तेरहवीं नेशनल जम्प्री में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। डॉ. भार्गव ने अपने प्रशासकीय कार्यकाल के दौरान विभिन्न जिलों और संभागों में विधिवत स्काउट्स प्रशिक्षण कैम्प एवं संभागीय कार्यशालाओं के आयोजन के साथ ही समाज में स्काउट्स के प्रति व्यापक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से स्काउट्स गाइड्स की गतिविधियों को सशक्त और समृद्ध बनाने में अहम भूमिका सुनिश्चित की है। डॉ.भार्गव उज्जैन के सिंहस्थ 2004

में असाधारण उत्साह और उच्च कोटि की सेवाओं हेतु मप्र के राज्यपाल द्वारा मेडल ऑफ मेरिट से तथा सिंहस्थ 2016 में भी अत्यंत विनम्र एवं समर्पण भाव से प्रदत्त नि:स्वार्थ सेवाओं के लिए मुख्यमंत्री द्वारा सिंहस्थ सेवा पदक से अलंकृत किए गए हैं। डॉ.अशोक कुमार भार्गव की पिछले 36 वर्षों से स्काउट आंदोलन के प्रति निष्ठा, समर्पण भाव और आंदोलन को विस्तारित करने की उनकी सक्रियता अत्यंत प्रशंसनीय रही है इस हेतु मध्य प्रदेश के राज्यपाल ने डॉ. भार्गव को मध्य प्रदेश के राज्यपाल ने डॉ. भार्गव को मप्र का स्टेट कमिश्नर स्काउट्स नियुक्त किए जाने पर मध्य प्रदेश भारत स्काउट गाइड्स के स्टेट चीफ कमिश्नर अशोक अर्गल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित की है।

जेल के अंदर हों या बाहर, आंदोलन रहेगा जारी सीजेपी ने बताया कब तक करते रहेंगे विरोध, क्या है आगे का प्लान?

नई दिल्ली।

काँकरोच जनता पार्टी के नेता आशुतोष रांका ने शुक्रवार को स्पष्ट किया है कि मजदूरा सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं के मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर उनका विरोध प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका, सौरभ दास, राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अर्जुन्य शिंदे और कानूनी मामलों की प्रमुख रत्न सिंह शुक्रवार को



महंद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। यह कदम दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश होने के लिए एक दिन पहले अतिरिक्त समय मांगे जाने के बाद उठाया गया है। इन नेताओं को गुरुवार दोपहर राजौरी गार्डन स्थित दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच

कार्यालय में पेश होना था, लेकिन उन्होंने इसके लिए अधिक समय की मांग की थी। पुलिस स्टेशन से बाहर आने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए आशुतोष रांका ने कहा कि हमें अभी अगली तारीख नहीं मिली है। पहली तारीख पर हम

नहीं जा पाए थे, जिसकी सूचना हमने दे दी थी। उन्होंने कहा है कि वे समय की पुष्टि करेंगे, इसलिए हम क्राइम ब्रांच के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि शुक्रवार को न्यायिक हिरासत से रिहाई के बाद उनके मुचल्लकों की सत्यापन प्रक्रिया पूरी हो गई है, जो पूरी तरह ठीक रही और उन्हें नवंबर के तीसरे सप्ताह की अगली तारीख दी गई है। आंदोलन के रुख पर बात करते हुए रांका ने कहा कि हम नेता नहीं हैं। हम इस मंच के संरक्षक हैं, जो देश के लोगों ने हमें दिया है। हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ करने की

कोशिश कर रहे हैं। जेल के अंदर हों या बाहर, आंदोलन जारी रहेगा। जाहिर है, हमने अपने बारे में और जिस तरह से शासन प्रणाली काम कर रही है, उसके बारे में बहुत कुछ सीखा है, और हम निश्चित रूप से जरूरी बदलाव करेंगे। सीजेपी नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका एक सप्ताह की न्यायिक हिरासत काटने के बाद बुधवार को ही तिहाड़ जेल से रिहा हुए हैं। दिल्ली पुलिस ने सीजेपी नेताओं के खिलाफ दर्ज विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामलों को हाल ही में क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किया है।

हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता टॉम स्केरिट का निधन

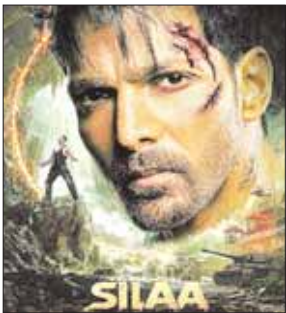


स्केरिट का निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे। स्केरिट का 21 अक्टूबर को निधन हुआ। उनके परिवार ने इसकी पुष्टि की और उन्हें हास्यबोध, समझदारी, उदारता और करुणा से भरपूर व्यक्तित्व के रूप में याद किया। छह दशक से अधिक लंबे करियर में उन्होंने अपने विविधतापूर्ण अभिनय से प्रशंसा हासिल की। पर्दे पर अपने काम के साथ-साथ उन्होंने उभरते फिल्मकारों और सैन्य पूर्व सैनिकों की मदद करके अपनी अकिट छाप छोड़ी। उन्हें कल्पनाशीलता, रचनात्मकता, कहानी कहने की कला, सेवा, पूर्व सैनिकों, प्राकृतिक दुनिया और दूसरों को अपनी आवाज खोजने तथा उसे लोगों तक पहुंचाने में मदद करने की गहरी

चिंता थी। स्केरिट ने 11 ऑस्कर नामांकन हासिल करने वाली फिल्म द टर्निंग पॉइंट (1977) में शर्ली मैकलेन के पति की भूमिका भी निभाई थी। उन्होंने टॉप गन (1986) में टॉम क्रूज के वायुसेना प्रशिक्षक माइक वाइपर मेटकाफ का किरदार निभाया था। इसके अलावा, रॉबर्ट रेडफोर्ड की फिल्म ए रिवर रनस थ्रू इट (1992) में पादरी और मैकलीन परिवार के मुखिया की भूमिका में भी शानदार अभिनय से फिल्मों को यादगार बनाया। इसके अलावा, उनकी अन्य उल्लेखनीय फिल्मों में सैवेज हार्वेस्ट (1981), द डेड जोन (1983), स्पेसकैप (1986), मेड टू ऑर्डर (1987), द रुकी (1990), स्टील मैगनोलियाज (1989), कॉन्टैक्ट (1997), द अदर सिस्टर (1999), टियर्स ऑफ द सन (2003), बोनविल (2006), रिडेम्पशन रोड (2010), ए होलोग्राम फॉर द किंग (2016) और डे ऑफ डेज (2017) शामिल हैं। थॉमस रॉय स्केरिट का जन्म 25 अगस्त, 1933 को मोटर सिटी यानी डेट्रॉइट में हुआ था। वर्ष 1951 में मैकेंजी हाई स्कूल से स्नातक होने के बाद उन्होंने दुनिया देखने की उम्मीद में वायुसेना में भर्ती हो गये। हालांकि, पायलट बनने के लिए आवश्यक कौशल नहीं होने के कारण उन्होंने वर्दी में अपना अधिकांश समय ऑस्टिन में वर्गीकरण विशेषज्ञ के रूप में बिताया। इसके बाद यह मशहूर अभिनेता अग्नेयी की पढ़ाई करने के लिए अपने गृहनगर लौटे और वेन स्टेट यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया।

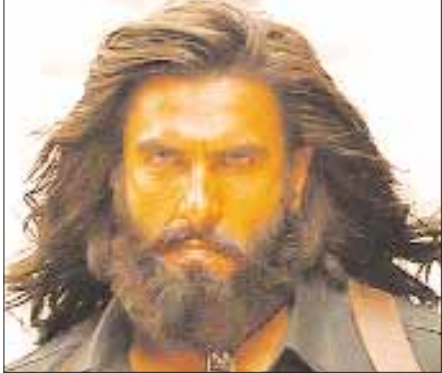
हर्षवर्धन राणे की फिल्म सिला 5 फरवरी 2027 को होगी रिलीज

जी स्टूडियोज ने हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब अभिनीत फिल्म सिला का पहला पोस्टर जारी कर दिया है। ओमंग कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म प्यार, रहस्य, रोमांच और एक्शन से भरपूर होगी। कश्मीर और वियतनाम की खूबसूरत वादियों में फिल्माई गई सिला में हर्षवर्धन राणे विराट के किरदार में नजर आएंगे, जिसकी जिंदगी प्यार और अप्रत्याशित परिस्थितियों के बीच उलझ जाती है। अपने प्यार को पाने की कोशिश में उसे न केवल खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि खुद को बचाने की चुनौती से भी जूझना पड़ता है। फिल्म में जुनूनी रोमांस, रहस्य और हाई-ऑक्टेन एक्शन का संगम देखने को मिलेगा। अपने किरदार के बारे में हर्षवर्धन राणे ने कहा कि सिला उनके लिए अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक अनुभवों में से एक रही है। विराट का किरदार कई परतों वाला है, जिसके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलू कहानी के आगे बढ़ने के साथ सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म के एक्शन, लोकेशन और भावनात्मक गहराई के लिए उन्हें शारीरिक और मानसिक स्तर पर काफी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शकों को बड़े पर्दे पर उनका नया अंदाज पसंद आएगा। निदेशक ओमंग कुमार ने कहा कि सिला के जरिए ऐसी फिल्म बनाने की कोशिश की गई है, जिसमें रोमांस, एक्शन, रहस्य और रोमांच के साथ हर मोड़ पर कुछ नया देखने को मिले। उन्होंने कहा कि फिल्म की कहानी प्यार और उस सीमा को तलाशी है, जहां ईसान को अपने विश्वास और मान्यताओं की परीक्षा देनी पड़ती है। फिल्म के भव्य दृश्यात्मक संसार के साथ भावनात्मक पहलुओं को भी प्रमुखता दी गई है। जी स्टूडियोज प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण ओमंग कुमार, हिमांशु तिवारी, अजय सिंह, धनंजय सिंह और वनिता गरुड़ कुमार ने किया है, जबकि हेमंत तिवारी राण निर्माता हैं।



25 अक्टूबर की शाम हर घर धुरंधर!

भव्यता, रोमांच और शानदार एक्शन से भरपूर! इस अक्टूबर, फिल्म ‘धुरंधर’ भारत के हर कोने तक पहुंचने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। पहली बार यह फिल्म फ्रीडिश दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी। रणवीर सिंह की रोमांच से भरपूर स्याई सागा ‘धुरंधर’ का प्रीमियर 25 अक्टूबर, 2026 को शाम 7 बजे एक साथ स्टार उत्सव मूवीज, कलर्स सिनेप्लेक्स बॉलीवुड और कलर्स सिनेप्लेक्स सुपरहिट्स पर होगा। देश के लिए पर्दे के पीछे रहकर काम करने वाले उन गुप्तमान नायकों को समर्पित एक्शन से भरपूर फिल्म ‘धुरंधर’ में रणवीर सिंह एक दमदार और यादगार अंदाज में नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। आदित्य के निर्देशन में बनी इस फिल्म को शानदार एक्शन, तालियां बजाने पर मजबूर कर देने वाले संवादों और कलाकारों के बेहतरीन अभिनय के लिए हर तरफ से सराहना मिली है। शाश्वत सचदेव के संगीत को भी दर्शकों का खूब प्यार मिला है और इसके गाने काफी लोकप्रिय हुए हैं। ‘धुरंधर’ का जादू भारत के हर घर तक पहुंचाने वाला यह फ्रीडिश प्रीमियर 10 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचने की उम्मीद है। इससे यह ब्लॉकबस्टर फिल्म बड़े शहरों से लेकर गाँवों और छोटे कस्बों तक के दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी। फ्रीडिश पर फिल्म के भव्य प्रीमियर को लेकर जियो हॉटस्टार के प्रवक्ता ने कहा, धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि अब यह पॉप कल्चर का हिस्सा बन चुकी है। हर घर धुरंधर के जरिए हम इस दमदार ब्लॉकबस्टर



को भारत के हर घर तक पहुंचाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। 25 अक्टूबर को शाम 7 बजे से स्टार उत्सव मूवीज, कलर्स सिनेप्लेक्स बॉलीवुड और कलर्स सिनेप्लेक्स सुपरहिट्स पर दर्शक इस फिल्म का आनंद ले सकेंगे और सम्पूर्ण भारत में धुरंधर का जबरदस्त क्रेज देखने को मिलेगा। हर घर धुरंधर भारत भर के परिवारों के लिए मनोरंजन का एक यादगार पल बनने जा रहा है। इसके जरिए परिवार पहली बार फ्रीडिश पर रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म ‘धुरंधर’ का आनंद ले सकेंगे। जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की फिल्म ‘धुरंधर’, का प्रीमियर 25 अक्टूबर को शाम 7 बजे से स्टार उत्सव मूवीज, कलर्स सिनेप्लेक्स बॉलीवुड और कलर्स सिनेप्लेक्स सुपरहिट्स पर होगा। जिसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल सारा अर्जुन और राकेश बेदी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

जिले को मिली करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने माना मुख्यमंत्री ड मोहन यादव का आभार

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात प्रदान करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के प्रति आभार प्रकट किया। ग्राम चावडी से भंडापुर मार्ग पर पुल निर्माण कार्य ग्राम एवं ग्राम पंचायत चावडी जनपद पंचायत सिवनी जिला सिवनी. स्वी.राशि 177 लाख, ग्राम ठरकाखेडा से पिपरिया मार्ग की ठरका नदी पर पुल निर्माण कार्य ग्राम ठरका खेडा ग्राम पंचायत पिपरिया जन-पंचा-सिवनी. स्वी.राशि 199.98 लाख, ग्राम भोगाखेडा से टिकारी मार्ग पर पुल निर्माण कार्य ग्राम एवं ग्राम पंचायत भोगा खेडा जनपद पंचायत सिवनी जिला सिवनी. स्वी.राशि 151.62 लाख ,ग्राम मेहराखापा से माहुलझिर मार्ग पर पुल निर्माण कार्य ग्राम एवं ग्राम पंचायत मेहरा खापा जनपद पंचायत सिवनी जिला सिवनी. स्वी.राशि 156.40 लाख, कार्य एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा शेष कार्य ग्राम पंचायत स्तर से ऋमश गेलरी निर्माण कार्य बड़े मिशन



स्कूल सिवनी के पंचायत सिवनी नगर सिवनी .गेलरी निर्माण कार्य बड़े मिशन स्कूल सिवनी के दिशा की ओर नगर सिवनी, महारानी लक्ष्मीबाई शास. कन्या उ.मा.विद्या. सिवनी में जर्जर छत पर प्रोफाइल शीट एवं जर्जर सांस्कृतिक मंच की छत निर्माण कार्य नगर सिवनी प्रोफाइल शेड स्थापना कार्य कार्य बड़े मिशन स्कूल सिवनी के सामने हाल व कमरों नगर सिवनी. सरस्वती शिशु मंदिर बण्डोल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य ग्राम पंचायत

बण्डोल जनपद पंचायत सिवनी जिला सिवनी, ग्राम व पंचायत करकोटी में सामुदायिक भवन निर्माण. ग्राम पंचायत बांकी के दत्तात्रेय मठ में सामुदायिक भवन निर्माण जनपद पंचायत सिवनी जिला सिवनी, ग्राम व पंचायत दिघोरी से घोंटी मार्ग पर स्थित वैनगंगा नदी पर घाट निर्माण कार्य जनपद पंचायत सिवनी जिला सिवनी, ग्राम पंचायत गरठिया में मोक्षधाम से टोरिया तक सी.सी.मार्ग निर्माण कार्य जनपद पंचायत सिवनी जिला सिवनी,

ग्राम पंचायत सीलादेही के ग्राम पलारी शनि टेकड़ी में परिक्रमा पथ निर्माण काय. जनपद पंचायत सिवनी जिला सिवनी, ग्राम पंचायत बेरीढाना के खेल मैदान में सभामंच एवं गैलरी निर्माण कार्य जनपद पंचायत छपारा जिला सिवनी, ग्राम निवारी ग्राम पंचायत लकवाह में सामुदायिक भवन निर्माण काय., ग्राम व पंचायत रामगढ़ में खेल मैदान एवं गैलरी निर्माण कार्य जनपद पंचायत छपारा जिला सिवनी, रिटर्निंग वाल सह सी.सी. रोड निर्माण बंधनी मार्ग पर ग्राम एवं ग्राम पंचायत चमारी खुर्द जनपद पंचायत छपारा जिला सिवनी, वाटर रिटर्निंग स्ट्रेचर निर्माण कार्य बीजा देवरी नाला में ग्राम बीजा देवरी एवं ग्राम पंचायत बीजा देवरी जनपद पंचायत छपारा जिला सिवनी, बाउंड्री वाल सह मैदान निर्माण स्कूल परिसर में ग्राम खेरनरा ग्राम पंचायत पीपरढाना जनपद पंचायत छपारा जिला सिवनी, बाउण्ड्रीवाल सह मैदान निर्माण कार्य माध्यमिक शाला ग्राम माहुलपानी ग्राम पंचायत माहुलपानी जिला सिवनी, बाउंडीबाल पंचायत

परिसर में ग्राम एवं ग्राम पंचायत सागर जनपद पंचायत छपारा,जिले की जीवन रेखा मा वैनगंगा के गोल्डन टेम्पल घाट के शमशान घाट क्षेत्र छपारा में प्रोटेक्शन वाल समतली करण कार्य नगर छपारा, वैनगंगा तट रेस्ट हाँउस के पीछे कुआ के पास प्रोटेक्शन सह मैदान निर्माण नगर छपारा , स्नान घाट निर्माण कार्य पुल साईड पुराना पुल के पास छपारा नगर छपारा,स्नान घाट निर्माण कार्य पुराना घाट साईड पुराना पुल के पास नगर छपारा, शमशान घाट तरफ वैनगंगा नदी छपारा में स्नान घाट निर्माण कार्यनगर छपारा , जिले के घन्सोर जनपद में निर्माणाधीन मा नर्मदा परिक्रमा पथ स्थित ग्राम दरोट में नर्मदा परिक्रमा धारियों हेतु निरमाणाधीन सामुदायिक भवन में रिटर्निंग वाल सह मैदान निर्माण एवं बाउंड्रीवाल निर्माण दरोट ग्राम पंचायत दरोट जनपद पंचायत घंसीर की स्वीकृति अपनी मुख्यमंत्री अवसरचन्ना योजना से स्वीकृति प्रदान कराई गई। इसके पूर्व भी मुख्यमंत्री जी ने 4.50 करोड़ के कार्यों की स्वीकृति प्रदान किया थी।

सार्वजनिक महाकाली उत्सव समिति द्वारा 25 को होगा विशाल इनामी कूपन लकी ड्रॉ

गायत्री मंदिर के पास शास्त्री वाई, बारापत्थर में होगा आयोजन, प्रथम पुरस्कार में स्कूटी सहित मिलेंगे आकर्षक उपहार

सिवनी। स्वतंत्र मत। सार्वजनिक महाकाली उत्सव समिति, गायत्री मंदिर सिवनी द्वारा 25 अक्टूबर 2026, रविवार को विशाल इनामी कूपन लकी ड्रॉ का आयोजन किया जाएगा। आयोजन गायत्री मंदिर के पास, शास्त्री वाई, बारापत्थर, सिवनी में किया जाएगा। समिति द्वारा आयोजित इस लकी ड्रॉ को लेकर आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा की गई है। आयोजन के लिए कूपन की कीमत मात्र 100 रुपये निर्धारित की गई है। लकी ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के रूप में स्कूटी, द्वितीय पुरस्कार में सोफा सेट, तृतीय पुरस्कार में एयर कूलर, पांचवें पुरस्कार में ट्रॉली बैग तथा छठवें पुरस्कार में होम थिएटर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त सातवें पुरस्कार में तीन बर्नर वाला गैस चूल्हा, आठवें पुरस्कार को मिक्सर-ग्राइंडर और नौवें पुरस्कार में बर्तन स्टैंड दिया जाएगा। वहीं 10वें से 13वें



पुरस्कार तक बैग, 14वें से 17वें पुरस्कार तक आयनर तथा 18वें से 21वें पुरस्कार तक वाटर डिस्पेंसर दिए जाएंगे। समिति द्वारा जारी सूचना के अनुसार इनामी कूपन का ड्रॉ 25 अक्टूबर को निकाला जाएगा। पुरस्कारों के डिजाइन, रंग और मॉडल उपलब्धता के अनुसार बदल

सकते हैं। पुरस्कार वितरण के संबंध में समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। कूपन एवं जानकारी के लिए संपर्क करें 7974022556, 9425848393, 9713001423। समिति ने इच्छुक नागरिकों से आयोजन से संबंधित जानकारी प्राप्त कर लकी ड्रॉ में भाग लेने की अपील की है।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने विश्वास और समर्थन के लिए सहयोगियों का माना आभार

सिवनी। स्वतंत्र मत। गुव्वार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन ने विश्वास और समर्थन के लिए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आज भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया जी को प्राप्त समर्थन के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रीमती डेहरिया के विरुद्ध व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते लाया गया अविश्वास प्रस्ताव मतों की गणना के आधार पर विफल रहा। जिसके लिए मैं सभी सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मुख्यमंत्री डॉ.



मोहन यादव , भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल , प्रदेश संगठन, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन , सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री फगन सिंह कुलस्ते , सांसद श्रीमती भारती पारधी , विधायक कमल मर्सकोले एवं समस्त जिला भाजपा संगठन का सहयोग एवं समर्थन के लिए हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। इस दौरान जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में विधायक दिनेश राय मुनमुन ने जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया को मिष्ठान खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया।

छात्रावास अधीक्षकों के स्थानांतरण को लेकर विभाग सख्त, सात वर्ष से अधिक पदस्थ अधिकारियों की मांगी जानकारी

धनोरा स्वतंत्रमत। जनजातीय कार्य विभाग एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने छात्रावासों, आश्रम शालाओं एवं आवासीय विद्यालयों में पदस्थ अधीक्षकों के स्थानांतरण को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने सात वर्ष से अधिक समय से एक ही संस्था में पदस्थ अधीक्षकों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में मांगी है। कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य,

मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा 22 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र क्रमांक शिक्षा स्थापना 3-4/19463 के अनुसार, प्रदेश के सभी संभागीय उपायुक्तों, सहायक आयुक्तों एवं जिला संयोजकों को निर्देशित किया गया है कि छात्रावासों, आश्रम शालाओं एवं आवासीय विद्यालयों में पदस्थ अधीक्षकों की कार्य अवधि की समीक्षा कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

निर्देशों के अनुसार जिन अधीक्षकों को सात वर्ष से अधिक समय हो चुका है, उन्हें पुनः किसी अन्य छात्रावास, आश्रम शाला अथवा आवासीय विद्यालय में पदस्थ किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी अधीक्षक के पास एक से अधिक संस्थाओं का प्रभार न रहे। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन अधीक्षकों की

पदस्थापना स्थानीय स्तर पर बिना मुख्यालय परिवर्तन के बदली जानी है तथा जिनका स्थानांतरण मुख्यालय परिवर्तन के साथ किया जाना है, उनकी जानकारी अलग-अलग निर्धारित प्रारूप में भेजी जाए। इसके अतिरिक्त, जिन अधीक्षकों ने ईएचआरएमएस पोर्टल पर पदस्थापना विकल्प के लिए आवेदन किया है, उनके आवेदन क्रमांक एवं दिनांक सहित जानकारी प्रस्तुत करने के

निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त कार्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों को 23 अक्टूबर 2026 तक जानकारी ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। आदेश के बाद विभागीय स्तर पर लंबे समय से एक ही संस्था में पदस्थ छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना की समीक्षा और स्थानांतरण की प्रक्रिया को लेकर कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

सिवनी। स्वतंत्र मत। जिले के धनोरा थाना क्षेत्र के पिपरिया रोड पर गुरुवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान रोहित झारिया, पिता सुनील झारिया (18) के रूप में हुई है। गुरुवार रात पिपरिया रोड पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण रोहित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो



गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा शव घटना की सूचना मिलने पर धनोरा थाना पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव का

पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। युवक की मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश में पुलिस प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में शामिल वाहन की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाने के लिए जानकारी जुटाई जा रही है। हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

कन्या महाविद्यालय मे परिचर्चा का आयोजन किया गया

सिवनी। स्वतंत्र मत। शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी में कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत विद्यार्थियों की रुचि, योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप उपयुक्त करियर विकल्पों की पहचान करने के उद्देश्य से एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश सरवैया के संरक्षण में तथा कैरियर प्रभारी प्रो. लक्ष्मी मेश्राम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। परिचर्चा में प्रो. लक्ष्मी मेश्राम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विभिन्न करियर विकल्पों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी की रुचि, योग्यता, कौशल एवं



क्षमता अलग-अलग होती है। अतः विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व एवं रुचि के अनुरूप करियर का चयन करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार एवं स्वरोजगार के

अवसरों, उच्च शिक्षा की संभावनाओं तथा करियर चयन के समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से

तैयारी करने तथा अपनी क्षमताओं को पहचानकर भविष्य के लिए सही निर्णय लेने हेतु प्रेरित किया। इस परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर संबंधी सही मार्गदर्शन प्रदान करना, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना तथा उन्हें अपने भविष्य के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अर्पणा अवस्थी, डॉ. समिता शर्मा, डॉ राशद खान, श्रीमती प्रियंका चौरसिया एवं सुश्री वर्षा पांडे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिकाधिक संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही है,कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उपयोगी एवं मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

आगरवाड़ा के जंगल में भालू का हमला, ग्रामीण घायल

तीन बार किया हमला, हाथ, पीठ और पैर में आई चोटें **बालाघाट(स्वतंत्र मत)।** वन परिक्षेत्र बालाघाट के अंतर्गत ग्राम आगरवाड़ा के समीप जंगल में लकड़ी लेने गए एक ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया। भालू के हमले में ग्राम आगरवाड़ा निवासी छानलाल पिता रेखलाल ठाकरे 45 वर्ष घायल हो गए। उनके हाथ, पीठ और पैर में चोटें आई हैं। परिजनों ने उन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है। घटना शुक्रवार, 23 अक्टूबर की सुबह की हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 अक्टूबर को सुबह करीब 6 बजे छानलाल अपने गांव के ही सावन कुंजाम के साथ लकड़ी लेने के लिए जंगल गए थे। दोनों अलग-अलग स्थानों पर लकड़ी तलाश रहे थे। इसी दौरान अचानक एक भालू अपने दो शावकों के साथ छानलाल के सामने आ गया और उस पर हमला कर दिया। भालू ने छानलाल के हाथ को अपने जबड़े में पकड़ लिया। छानलाल ने किसी तरह खुद को छुड़ाकर भालू को भागाया लेकिन भालू ने दोबारा हमला कर दिया। उन्होंने दूसरी बार भी भालू से बचने का प्रयास किया और उसे भगाने में सफल रहे। इसके बाद भालू ने तीसरी बार फिर हमला कर दिया। लगातार हुए हमलों में छानलाल घायल हो गए। अपनी जान बचाने के लिए वे वहां से भागे और कुछ दूर पहुंचकर मदद के लिए आवाज लगाई। छानलाल ने तत्काल उपचार के साथी सावन कुंजाम मौके पर पहुंचे। उन्होंने फोन कर छानलाल के परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन मोटरसाइकिल से जंगल पहुंचे और घायल छानलाल को घर लेकर आए। इसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया, जहां भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा है।

कटेधरा के तालाब में उतरता मिला शव कटंगी(स्वतंत्र मत)। थाना क्षेत्र के ग्राम कटेधरा के मरघट तालाब में शुक्रवार 23 अक्टूबर की सुबह एक व्यक्ति का शव पानी में तैरता हुआ मिला। मृतक की पहचान ग्राम खजरी, कोलिया टोला निवासी लक्ष्मीनारायण पिता उदाजी शरणागत उम्र 44 वर्ष के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मीनारायण 22 अक्टूबर की शाम से लापता था। परिजन रात भर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे गांव के लोगों ने तालाब में शव तैरते हुए देखा तो सरपंच सुरेंद्र राहंगडाले को सूचना दी। सरपंच ने तत्काल कटंगी थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कटंगी पुलिस मौके पर पहुंची। शव को तालाब से बाहर निकाला गया और पंचनामा कार्रवाई की गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेजा। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

डबलमनी घोटाला : 33 प्रतिशत निवेशकों को नहीं है भरोसा !

4204 निवेशकों के नाम आए सामने, 2800 ने जमा किए आवेदन-पुलिस की जांच में लगातार जुड़ रहे नए नाम

बालाघाट(स्वतंत्र मत) ।

जिले के बहुचर्चित 600 करोड़ रुपये के डबलमनी निवेश घोटाले में निवेशकों के नाम सामने आने का सिलसिला लगातार जारी है। 21 अक्टूबर को जारी 24वीं सूची में करीब 200 निवेशकों के नाम शामिल किए गए हैं। अब तक जारी सूचियों में कुल 4204 निवेशकों के नाम सामने आ चुके हैं। इनमें से 23 अक्टूबर की शाम 4 बजे तक करीब 2800 निवेशकों ने अपने आवेदन जमा कर दिए हैं, जबकि लगभग 1400 निवेशकों ने अब तक आवेदन प्रस्तुत नहीं किए हैं। पुलिस से मिले आंकड़ों पर नजर डालें तो करीब 67 प्रतिशत निवेशकों को अब रकम वापस मिलने की उम्मीद है। मामले की जांच कर रही एसआईटी मुख्य आरोपी शोभेंद्र कांकरायने और उसके साथियों से पूछताछ के साथ



से करीब एक निवेशक ने अब तक आवेदन जमा नहीं किया हैं। आवेदन नहीं करने के पीछे निवेशकों की ब्या वजह है, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, इतनी बड़ी संख्या में निवेशकों का आवेदन जमा नहीं करना कई सवाल खड़े कर रहा हैं।

24 सूचियां जारी, फिर भी नए नामों की तलाश...

डबलमनी घोटाले में अपनी मेहनत की कमाई गंवा चुके निवेशकों को अब रकम वापस मिलने की उम्मीद है। मामले की जांच कर रही एसआईटी मुख्य आरोपी शोभेंद्र कांकरायने और उसके साथियों से पूछताछ के साथ

जब दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। जांच में निवेश से जुड़े नए नाम सामने आने पर पुलिस लगातार सूचियां जारी कर रही है। अब तक 24 सूचियां जारी हो चुकी हैं और प्रत्येक नई सूची के साथ निवेशकों की पहचान का दायरा बढ़ रहा है।

आवेदन जमा नहीं करने वाले निवेशकों पर नजर...

पुलिस के अनुसार, जिन निवेशकों के नाम अब तक जारी सूचियों में शामिल नहीं हुए हैं, उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पात्र पाए जाने पर उनके नाम आगामी सूचियों में शामिल किए जा सकते हैं। वहीं, सूची में

नाम आने वाले निवेशकों से निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय-सिमा में आवेदन जमा करने की अपील की गई है।

आगे क्या होगा?

डबलमनी घोटाले में निवेशकों की संख्या और आवेदन जमा करने वालों के आंकड़े लगातार महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। एक ओर पुलिस नए निवेशकों की पहचान में जुटी है, वहीं दूसरी ओर करीब 1400 निवेशकों का आवेदन जमा नहीं करना चर्चा का विषय है। अब देखना होगा कि आगामी सूचियों में कितने नए नाम सामने आते हैं और आवेदन जमा नहीं करने वाले निवेशक कब तक प्रक्रिया में शामिल होते हैं।



श्रीराम सेवा संकल्प के ट्रांसपोर्ट महोत्सव में एक हजार मेधावी छात्रों को वितरण की गई छात्रवृत्ति

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। श्रीराम सेवा संकल्प के तत्वावधान में आयोजित नवगति-हर सफर में प्रगति ट्रांसपोर्ट परिवार महोत्सव के अंतर्गत एजुकेशन स्कॉलर प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडला स्टाफ का विशेष योगदान रहा। शाखा प्रबंधक सहित स्टाफ ने कार्यक्रम में 12 वीं तक की और कार्यक्रम को मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, विशिष्ट अतिथि बालाघाट सांसद भारती पारधी, लांजी विधायक राजकुमार कराहे, पूर्व आयुष मंत्री रामकिशोर कांवे रहे। विशेष अतिथि के रूप में श्रीराम फाउंडेशन लिमिटेड मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के बिजनेस यूनिट हेड सचिन सिंह शेखावत और भोपाल जोनल बिजनेस हेड संतोष सिंह, मंडला एवं बालाघाट के रीजन कलेक्शन हेड राजनर्मा रजक व मंडला और बालाघाट के शाखा प्रबंधक एवं कंपनी का स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यालय जनपद पंचायत परसवाड़ा, वि.स. परसवाड़ा, जिला बालाघाट (म.प्र.)
॥ नवित्य सुचना ॥
जनपद पंचायत परसवाड़ा अन्तर्गत ग्राम परसवाड़ा में तारिहिक बैठकी बजार में खसरा नं. 238/9 रकबा 1.011 मे से न्यवस्थ्य कलेक्टर महोदय बलचन्द्र म.प्र. के रा.प्र.क्र./11/3/-20 (3) वर्ष 2024-25 दिनांक 04 अक्टूबर 2024 को पारित अदेश अनुसार 0.038 हे. भूमि वर्ष 2024-25 दिनांक 04 अक्टूबर 2024 को पारित अदेश अनुसार 0.038 हे. भूमि खेपिंग कामप्लेस बढाये जाने हेतु जनपद पंचायत परसवाड़ा जिले बालाघाट के नम से खसरा के कालम नं. 12 में अर्शित की गई है। खसरा नं 238/9 में अर्शित भूमि पर खेपिंग कामप्लेस का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा खसरा नं 238/9 में खेपिंग कामप्लेस 19 दुकानों का निर्माण हो चुका है जिसमे से 19 दुकानों आर्वट व की प्रक्रिय चल रही है। जनपद पंचायत परसवाड़ा की सामान्य प्रखलन समिति के प्रत्यक्ष क्रमांक 04 दिनांक 12.09.2026 प्रस्ताव पारित किया गया है कि उपरोक्त खसरा नं. 238/9 में जनपद पंचायत के नम अर्शित भूमि, एवं निर्मित खेपिंग कामप्लेस के नीतमनी के थिरुद्ध मन्कनीय उच्च न्यवस्थलय में स्थापन प्राप्त किये जाने की सम्भावना को धृष्टिगत रखते हुये केथिरुद्ध कयूर किये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया है अतः मन्कनीय उच्च न्यवस्थलय जयकन्पुर में केथिरुद्ध कयूर की जा रही है।
मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत परसवाड़ा

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत का मजबूत आधार

ग्राम गुलवारा में जन-जागरूकता रैली, नुक़ड़ नाटक एवं रस्साकशी प्रतियोगिता आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के अंतर्गत नशामुक्त युवा परंपरागत खेल थीम पर शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी द्वारा गोद ग्राम गुलवारा, गनियारी में जन-जागरूकता रैली, नुक़ड़ नाटक, ग्राम सेवा, परंपरागत खेल दिवस, रस्साकशी प्रतियोगिता, नशामुक्ति शपथ एवं युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं ग्रामीण नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा भारतीय परंपरागत खेलों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना रहा। यह आयोजन शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर से ग्राम गुलवारा तक जन-जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली को विधायक संदीप प्रसाद



जायसवाल, ग्राम पंचायत सरपंच सुजाता बाई, जनपद सदस्य पन्नालाल हल्दकार, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात तथा जिला संगठक, राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. रुक्मणी प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में महाविद्यालय की छात्राओं, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने नशामुक्ति से संबंधित संदेशों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया तथा समाज को नशे से दूर रखने का आह्वान किया। ग्राम

गुलवारा स्थित विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा नशे के दुष्परिणामों पर आधारित प्रभावशाली नुक़ड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ उसके पारिवारिक जीवन, सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। प्रस्तुति के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और मित्रों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में विधायक संदीप प्रसाद जायसवाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए स्वस्थ, सकारात्मक एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करें।

वकाओं ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र को सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। नशामुक्त, स्वस्थ एवं जागरूक युवा ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं

जनप्रतिनिधियों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम सेवा एवं परंपरागत खेल दिवस के अवसर पर रस्साकशी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों एवं युवाओं को शारीरिक सक्रियता, आपसी सहयोग, अनुशासन, टीम भावना तथा खेलों के प्रति रुचि विकसित करने का संदेश दिया गया। आयोजन में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि परंपरागत खेल युवाओं को स्वस्थ रखने के साथ-

साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक एकता को भी मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली। इसके साथ ही युवा संवाद के माध्यम से युवाओं को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने तथा सामाजिक विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. विमला मिंज, डॉ. अमिताभ पाण्डेय, उपसरपंच तुलसीदास चौबे, डॉ. संजय भारद्वाज, डॉ. शिल्पी कुमारी सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, रिचा दुबे, रश्मि सिंह, भीम बर्मन, प्रेमलाल कांवेरे एवं डॉ. आंजनेय तिवारी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने नशामुक्ति, ग्राम सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं परंपरागत खेलों के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए स्वस्थ, सशक्त, जिम्मेदार और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

फोटो : विकास गुप्ता



विद्यालोक वेलफेयर फाउंडेशन ने चौथे वर्ष भी किया दुर्गा समितियों का सम्मान

कटनी (स्वतंत्रमत)। सामाजिक सेवा एवं धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के उद्देश्य से विद्यालोक वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा लगातार चौथे वर्ष दुर्गा समिति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष अरजीत खरे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत नगर की विभिन्न दुर्गा समितियों तक पहुंचकर उनके सदस्यों का सम्मान किया गया और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। सम्मान समारोह के अंतर्गत संस्था के सदस्यों ने गर्ग चौराहाए सब्जी मंडी, अल्फ्रेडगंज, सिविल लाइन, महाकाल मंदिर क्षेत्र, मुख्य बाजार, भट्टा मोहल्ला, लखेरा, माधव नगर एवं बरगवां सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित दुर्गा पंडालों का भ्रमण किया। इस दौरान दुर्गा उत्सव के सफल आयोजन और धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में योगदान देने वाली समितियों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष अरजीत खरे के साथ भाजयुमो नेता अजय माली एवं संस्था के महामंत्री आदित्य श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे। सम्मान कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्कर्ष गुप्ता, डॉ. मनीष सिंह, दीपक कुशवाहा, अतुल विश्वकर्मा, अविनाश जायसवाल, जतिन जसूजा, निखिल तनवानी, मोहित गुप्ता, उत्कर्ष मिश्रा, आयुष अवस्थी, दिव्य मिश्रा, अनुराग सोनी, दिव्यांश द्विवेदी, सौरभ रैदास, सुमित रजक, हरीश झमनानी, शिवम कुहरल, अभिषेक तिवारी, आदेश मिश्रा एवं अविनेश त्रिपाठी की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। संस्था के सदस्यों ने देर रात तक विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समितियों का सम्मान किया। विद्यालोक वेलफेयर फाउंडेशन ने सभी दुर्गा समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्था ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी साथियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिले को मिलेगी 880 मीट्रिक टन यूरिया

किसानों को जरूरत के मुताबिक मिलेगी पर्याप्त खाद

कटनी (स्वतंत्रमत)। उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संवाद और सार्थक प्रयासों की वजह से नीम कोटेड यूरिया को एक और रैंक झुकेही रैंक पॉइंट पर आ गई है। इससे जिले को 880 मीट्रिक टन यूरिया मिलेगी। जिला विपणन अधिकारी आनंद नारायण पाण्डेय ने बताया कि स्लीमनाबाद, बरही और बहोरीबंद डबल लॉक केन्द्र को 30-30 मीट्रिक टन यूरिया और कटनी व मझगावा बड़वारा डबल लॉक केन्द्र को 90 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की जाएगी। वहीं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कटनी को 340 मीट्रिक टन तथा एमपी



एग्रो कटनी को 60 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की जाएगी। वहीं सीएमएस कटनी, सीएमएस उमरियापान-ढीमरखेड़ा, सीएमएस रौटी, सीएमएस बड़वारा, सीएमएस बाकल, सीएमएस स्लीमनाबाद और सीएमएस ढीमरखेड़ा को 30-30 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की जाएगी। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए संतुलित मात्रा में ही उर्वरकों का उपयोग करें। आवश्यकता से अधिक खाद का प्रयोग करने से कृषि लागत बढ़ने के साथ-साथ भूमि की उर्वरक क्षमता पर भी

प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। **वाट्सएप बॉट से टोकन जनरेट करने की सुविधा-ई-** विकास 2.0 के तहत किसानों की सुविधा के लिए मोबाइल पर वाट्सएप बॉट के माध्यम से टोकन जनरेट करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। किसान वाट्सएप पर हेलप या मदद लिखकर टोकन, रिटेलर, उर्वरक, उठाव की तिथि और टोकन की वैधता सहित आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके माध्यम से किसान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उर्वरक का क्रय कर सकेंगे।

तीन खाद्य प्रतिष्ठानों पर जुर्माना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सीएम हेल्पलाइन से संबंधित प्रकरण में 22 अक्टूबर को खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं नगर परिषद बम्हनी बजर के संयुक्त दल द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। कार्यवाही के दौरान नीलम कांफी हाउस से रसमलाई एवं सेव अग्रवाल स्वीट्स एंड भोजनालय से खोवा तथा मेसर्स राखी अग्रवाल मिर्क प्रोडक्ट एंड डेली नीड्स से छेना के नमूने लिए गए निरीक्षण में ख़ाद्य पदार्थों के रखरखाव एवं साफ-सफाई में कमियां पाए जाने पर ख़ाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत नीलम कांफी हाउस एवं अग्रवाल स्वीट्स एंड भोजनालय को सुधार सूचना पत्र जारी किए गए। वहीं नगर परिषद द्वारा नीलम कांफी हाउस पर 1 हजार रुपये अग्रवाल भोजनालय पर 1 हजार रुपये तथा गुंजन स्वीट्स पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

20वीं नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट के लिए कटनी के 13 खिलाड़ियों का चयन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा दिनांक 21 अक्टूबर को ऑर्डिनेंस फैंक्ट्री स्टेडियम, कटनी में 20वीं नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट हेतु जिला स्तरीय एथलेटिक्स चयन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में अदाणी फाउंडेशन के कैमोर व अमेडा सीमेंट वर्क्स स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट ने प्रशिक्षुओं, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रशिक्षुओं तथा अन्य खेल क्लबों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर जिले के 13 श्रेष्ठ जूनियर एथलीटों का चयन



किया गया। चयनित खिलाड़ी हैदराबाद में आयोजित होने वाली 20वीं नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट में कटनी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयन प्रतियोगिता को सफल बनाने एथलेटिक के वरिष्ठ खिलाड़ियों का मार्गदर्शन रहा। चयनित खिलाड़ियों की सूची, बालिका

वर्ग अंडर-16 -अनुश्री उर्मलिया, योगिता केवट, खुशी सोनी, अनाया मिश्रा, बालक वर्ग अंडर-14 - कोशिक साहू, आदित्य गुप्ता, स्वप्निल त्रिपाठी, बालक वर्ग अंडर-16 - कलश राणा, हर्षित सिंह चौहान, दिव्यांशु बेहोलिया, बालिका वर्ग अंडर-14 - सृष्टि पटेल, इफ्फा अंसारी, लवली

बाइक सवार 3 युवकों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत

बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पड़रिया के पास देर रात भीषण सड़क हादसा

कटनी (स्वतंत्रमत)। अज्ञात वाहन ने एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार तीनों युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुए तीनों युवक बरही थाना क्षेत्र के सिजेहरा गांव के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान छोटेलाल कोल, अमित लाल कोल और



सुमित कोल के रूप में हुई है। बुधवार की देर रात ये तीनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर

बड़वारा में आयोजित दशहरा मेला देखने के लिए जा रहे थे। तभी उनकी बाइक बरही रोड पर स्थित

ग्राम पड़रिया के समीप ही पहुंची थी कि किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया और रौंद दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दर्दनाक हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बरही थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई और दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तीनों शवों को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा कारवाई पूरी कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

सुबह तीनों युवकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए। घटना के बाद गांव में मातम छा गया।

गंभीर दुर्घटना को लेकर बरही थाना प्रभारी अरविंद चौबे ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और गहराई से जांच शुरू कर दी है। घटना को अंजाम देकर फरार होने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक को तलाश के लिए पुलिस की एक विशेष टीम को लगाया गया है। वाहन को जल्द ही जब्त कर आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिविर में सुनीं 78 ग्रामीणों की समस्याएं

अधिकारियों को दिये निराकरण के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम कांटी में आयोजित जनसंवाद शिविर कार्यक्रम में कलेक्टर आशीष तिवारी ने 78 ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर निलांबर मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम विजयराघवगढ़ प्रमोद चतुर्वेदी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। शिविर में ग्रामीण विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं और मांगों के आवेदन लेकर पहुंचे। किसी ने राजस्व विभाग से संबंधित शिकायत की तो किसी ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से



संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

कलेक्टर श्री तिवारी ने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरता और धैर्यपूर्वक सुनी तथा संबंधित अधिकारियों से प्रकरण की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री तिवारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के निराकरण में समय-सीमा और गुणवत्ता दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

शीघ्र कक्षाएं शुरू करने के दिये निर्देश



कलेक्टर ने किया शासकीय हाईस्कूल मोहास के निर्माणधीन भवन का निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने शुक्रवार को विकासखंड विजयराघवगढ़ के ग्राम मोहास पहुंचकर करीब 1 करोड़ 39 लाख

रुपये की लागत से निर्माणधीन शासकीय हाईस्कूल के भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम विजयराघवगढ़ प्रमोद चतुर्वेदी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री पीआईयू उदल सिंह ने कलेक्टर श्री

तिवारी को अवगत कराया कि हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य भी आगामी 15 से 20 दिनों में पूर्ण हो जाएगा। इस पर कलेक्टर ने निर्देशित किया कि भवन के शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराकर विद्यालय में कक्षाओं का संचालन प्रारंभ कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ग्राम मोहास में स्वामित्व योजना की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने पटवारी अभिजीत आचार्य को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की रजिस्ट्री की कार्यवाही प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराई जाए।



कटनी (स्वतंत्रमत)। वर्षों से जिस घर में परिवार अपनी खुशियां संजोते हैं उसी घर की जमीन का कानूनी अधिकार मिलना उनके लिए सुरक्षा और विश्वास का नया आधार बन जाता है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत स्वामित्व योजना

में जिले के 10 परिवारों को उनकी आवासीय भूमि की निःशुल्क रजिस्ट्री प्रदान की गई। कलेक्टर आशीष तिवारी ने हितग्राहियों को रजिस्ट्री के दस्तावेज सौंपे। अपने आशियाने का कानूनी हक मिलने से परिवारों को संपत्ति की सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य

का भरोसा मिला। योजना के तहत ग्राम कोटरहिया निवासी नरेन्द्र राठौर पिता रामजिवावन राठौर को 245 वर्गमीटर तथा संतोष सिंह पिता उदयराज सिंह को 38 वर्गमीटर भूमि की रजिस्ट्री प्रदान की गई। ग्राम मुहास निवासी जमुना पिता मंगल सिंह को 133 वर्गमीटर, ग्राम दड़ौरी

निवासी हीरालाल यादव पिता सुकाली यादव को 241 वर्गमीटर और ग्राम पौनिया निवासी पंडू प्रसाद भूमिया पिता सिमाली भूमिया को 64 वर्गमीटर और शंकर पुरी गोस्वामी पिता जयराम पुरी गोस्वामी को 102 वर्गमीटर भूमि की रजिस्ट्री प्रदान की गई। इसी प्रकार ग्राम जिवारा निवासी सल्टी कोल पिता पहलालतन कोल को

677 वर्गमीटर और रघुनंदन प्रसाद लोहार पिता रामचरण विश्वकर्मा को 153 वर्गमीटर तथा ग्राम देवसरी इंदौर निवासी सोखीलाल पिता बिसालीराम पटेल को 87 वर्गमीटर भूमि और हनुमान पटेल पिता लक्ष्मण प्रसाद पटेल को 326 वर्गमीटर भूमि का स्वामित्व दस्तावेज प्रदान किया गया।

सूचना

मै मनीष गुप्ता पिता श्री महेश गुप्ता उम्र लग. 34 साल निवासी बालगंगाधर तिलक वाई मुड़वारा कटनी तहसील व जिला कटनी म.प्र. के निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं मैं उपरोक्त वर्णित पते का स्थायी निवासी हूं और मेरा आधार कार्ड नंबर 6785 3487 2587 है जिसमें मेरे पिता का नाम महेश गुप्ता दर्ज है इसी तरह मेरी मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद भोपाल की कक्षा दसवीं की अंकसूची में मेरे पिता का नाम महेश भाई गुप्ता दर्ज है जिसकी जानकारी मेरे द्वारा के जरिये दी गयी है मेरे द्वारा शपथपत्र में जो जानकारी दी गयी है वह सत्य एवं सही है यह कि मेरे द्वारा इस आशय का सूचना प्रस्तुत है कि महेश गुप्ता और महेश भाई गुप्ता ये दोनों नाम मेरे पिता के ही नाम है अर्थात एक ही व्यक्ति का नाम है भविष्य में मेरे पिता के नामों को लेकर कोई बात आती है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की ही होगी।

भारत का पैरा एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन

30 गोल्ड सहित 114 मेडल हासिल किए

आइची नागोया

एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय दल ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 114 पदक जीते थे, जिनमें 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक शामिल हैं। पदक तालिका में भारत फिलहाल चौथे स्थान पर है। एशियाई पैरा गेम्स में अभी एक दिन और बचा है, लेकिन कल कोई भी भारतीय खिलाड़ी मैदान में नहीं उतरेगा।

भारत ने पिछले संस्करण के 108 पदकों (जिसमें 27 स्वर्ण, 32 रजत और 49 कांस्य पदक शामिल थे) के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने असल में 111 पदक जीते थे, लेकिन नीरज यादव और परवीन पर डोपिंग के आरोप लगने के कारण उनसे तीन पदक वापस ले लिए गए। आइची नागोया में किया गया यह प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं बेहतर रहा है, क्योंकि पिछले संस्करण की तुलना में इस बार



भेजे गए भारतीय दल की संख्या काफी कम थी। हांगझोऊ में 309 पैरा एथलीट गए थे, जबकि इस बार कुल 168 पैरा एथलीट इन खेलों में हिस्सा लेने गए थे। हमेशा की तरह, कुल पदकों में से आधे से ज्यादा पदक पैरा एथलेटिक्स से आए। भारतीय पैरा एथलेटिक्स

टीम ने कुल 65 पदक जीते, जिनमें 22 स्वर्ण, 19 रजत और 24 कांस्य पदक शामिल हैं। यह पिछले संस्करण की तुलना में 12 पदक ज्यादा हैं, जब पैरा एथलेटिक्स टीम ने कुल 53 पदक जीते थे (बाद में तीन पदक वापस ले लिए गए थे)।

पदक शामिल हैं। हालाँकि, यह पिछले संस्करण की तुलना में पाँच पदक कम हैं, जब भारत ने 21 पदक जीते थे। पैरा तैराकी और पैरा टेबल टेनिस ऐसे दो खेल रहे, जिनमें भारतीय एथलीटों के प्रदर्शन में जबरदस्त सुधार देखने को मिला। पिछली बार पैरा तैराकी टीम ने केवल एक पदक जीता था, लेकिन इस बार उन्होंने तीन रजत और आठ कांस्य पदकों के साथ कुल 11 पदक हासिल किए। इसी तरह, पैरा टेबल टेनिस एथलीटों ने पिछली बार दो कांस्य पदक जीते थे, जबकि इस बार उन्होंने सात कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में बड़ा योगदान दिया। पैरा तीरंदाजी और पैरा शूटिंग में भारत का प्रदर्शन पिछले संस्करण जैसा ही रहा; जहाँ पैरा तीरंदाजी में 6 और पैरा शूटिंग में 5 पदक जीते गए, जबकि 2023 के संस्करण में इन खेलों में क्रमशः 7 और 6 पदक जीते गए थे।

एथलीटों का शानदार प्रदर्शन

पैरा बैडमिंटन 16 पदकों के साथ दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसमें तीन स्वर्ण, पाँच रजत और आठ कांस्य

भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया

पहले वनडे में प्रतिका का शतक, शेफाली की फिफ्टी, श्री चरणी को 4 विकेट

वडोदरा। भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को पहले वनडे में 9 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 197 रन बनाए। जवाब में भारत ने 27.1 ओवर में एक विकेट खोकर 200 रन बना लिए। भारत ने 137 रेंड रहते टारगेट हासिल कर लिया। वडोदरा में शुक्रवार को प्रतिका रावल ने नाबाद 100 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 33 रेंदों पर नाबाद 64 रन की पारी खेली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 70 रेंदों पर 106 रन जोड़े। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की



शुरुआत अच्छी नहीं रही। क्रांति गोड़ ने लॉरीन फिरी को 1 रन पर आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद चिपो मुगोरी-तिरिपानो और मोडेस्टर मुपाचिकवा ने दूसरे विकेट के लिए 43 रन जोड़कर पारी संभालने की कोशिश की। श्री चरणी ने मुगोरी-तिरिपानो को 21 रन पर

एलबीडब्ल्यू आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। फिर मुपाचिकवा को 25 रन पर कैच कराया।

चरणी ने आगे भी विकेट लेने का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने न्याशा ग्वानजुरा को 13 और मिशेल मावुंगा को 29 रन पर आउट किया। इस तरह उन्होंने 10 ओवर में 23 रन देकर 4 विकेट लिए,

जिनमें 3 मेडन ओवर शामिल थे। मेडन ओवर यानी ऐसा ओवर जिसमें बल्लेबाज कोई रन नहीं बना सके। क्रांति गोड़ ने 3 विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा को 2 और शेफाली वर्मा को 1 सफलता मिली। जिम्बाब्वे की ओर से बिलव्ड बीजा ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए। उन्होंने 92 रेंदों पर 5 चौके लगाए। लेकिन लगातार विकेट गिरने के कारण टीम 197 रन पर ऑलआउट हो गई।

प्रतिका ने संभाली पारी

198 रन का पीछा करते हुए भारत ने तेज शुरुआत की। प्रतिका रावल ने एक छोर से जिम्मेदारी संभाली और कसान स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 94 रन जोड़े। स्मृति 34 रेंदों पर 32 रन बनाकर 16वें ओवर में आउट हुईं।

देश में तैयार हो रहे कई एमआरओ केंद्र एयर इंडिया ने दिल्ली में रखी आधारशिला

नयी दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने शुक्रवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक अत्याधुनिक एमआरओ संयंत्र की आधारशिला रखी। बचत न सिर्फ एयरलाइंस के लिए एयरलाइंस का जरिया बनेगा बल्कि देश को इस क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाने में मदद भी मिलेगी। विमानों की



रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉलिंग (एमआरओ) की सुविधा वाला यह हेंगर नौ एकड़ में बनेगा। यहां पर एक वाइडबॉडी और एक नैरोबॉडी विमान एक साथ खड़े करने की सुविधा होगी, यानी यहां उनकी मरम्मत और ओवरहॉलिंग एक साथ की जा सकेगी। दिल्ली एयर इंडिया के परिचालन का सबसे बड़ा हब है, लेकिन अबतक यहां उसकी कोई एमआरओ सुविधा नहीं है। नागपुर में शिड्यूल रखरखाव से संबंधित कुछ कामों के लिए उसका एक केंद्र जरूर है, लेकिन वह भी हर प्रकार की एमआरओ सुविधा देने में समर्थ नहीं है। एयर इंडिया ही नहीं देश की दूसरी विमान सेवा

कंपनियां भी एमआरओ के लिए लगभग पूरी तरह विदेशों पर आश्रित हैं। उद्योग जगत के अनुमान के अनुसार, इस मद में हर साल औसतन 1.5 अरब डॉलर का खर्च आता है। देश में ही एमआरओ की अत्याधुनिक सुविधा होने से विदेशी मुद्रा की बचत के साथ कंपनियों के लिए एमआरओ पर होने वाला खर्च भी कम हो जायेगा। एयर इंडिया के बयान में कहा गया है, नयी एमआरओ सुविधा एयर इंडिया की इन-हाउस रखरखाव क्षमताओं को बढ़ाने और अपने बेड़े की विश्वसनीयता में सुधार लाने की कोशिशों में मदद करेगी। साथ ही, यह देश में एक मजबूत विमान पारितंत्र के विकास में भी योगदान देगी। रखरखाव की बेहतर कार्यक्षमता से परिचालन प्रदर्शन में सुधार होने और यात्रियों को अधिक भरोसेमंद यात्रा अनुभव मिलने की भी उम्मीद है। इसके अलावा, एयर इंडिया की एक मेगा एमआरओ सुविधा बेंगलुरु में बन रही है जिसमें तीन वाइडबॉडी हेंगर और नौ नैरोबॉडी हेंगर होंगे।

इंफोसिस का राजस्व दूसरी तिमाही में 10.7 फीसदी बढ़ा



बेंगलुरु। देश की अग्रणी सूचना एवं प्रसारण कंपनी इंफोसिस को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 7,823 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है जो एक साल पहले की तुलना में 6.2 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशकमंडल की शुक्रवार को हुई बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की गई। आंकड़ों के अनुसार, दूसरी तिमाही में इंफोसिस का राजस्व 10.7 फीसदी की वृद्धि के साथ 49,244 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

निदेशकमंडल ने प्रति शेयर 26 रुपये के अंतरिम लाभांश के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। अंतरिम लाभांश का भुगतान 11 नवंबर को किया जाएगा। इसके लिए 03 नवंबर की शेयरधारिता को आधार बनाया जाएगा। आलोच्य तिमाही में डॉलर में कंपनी का राजस्व 1.3 फीसदी सालाना बढ़कर 514.5 करोड़ डॉलर हो गया। इस दौरान उसका शुद्ध लाभ घटकर 81.7 करोड़ डॉलर रहा। यह एक साल पहले के 83.9 करोड़ डॉलर से 2.5 प्रतिशत कम है। कंपनी के राजस्व में उत्तरी अमेरिका की हिस्सेदारी एक साल में 56.3 प्रतिशत से घटकर 54.6 प्रतिशत रह गई। यूरोप की हिस्सेदारी 31.7 फीसदी से बढ़कर 32.5 फीसदी और भारत की 3.1 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी हो गई। कंपनी की मुख्य आय (28 फीसदी) वित्तीय सेवाओं के वर्टिकल से रही।

कच्चे तेल में तेजी से लुढ़का शेयर बाजार

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में तेजी से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली हावी रही और प्रमुख सूचकांक हरे निशान में खुलने के बाद अंत में गिरावट में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सवेदी सूचकांक सेंसेक्स सुबह हरे निशान में खुलने के बाद कुछ ही देर में 517 अंक चढ़ गया था। हालांकि इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ने से यह 797 अंक टूटकर 72,452 अंक तक उतर गया। अंत में 125.56 अंक (0.17 प्रतिशत) नीचे 73,123.83 अंक पर बंद हुआ। यह 14 अक्टूबर के बाद का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी करीब 55 अंक ऊपर खुला लेकिन बाद में लाल निशान में उतर गया। अंत में यह 87.65 अंक यानी 0.39 फीसदी टूटकर 22,600 अंक पर रहा जो 12 अक्टूबर के बाद का इसका सबसे कम बंद स्तर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल आज एक फीसदी चढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। इससे बाजार में निवेश धारणा प्रभावित हुए और बिकवाली ज्यादा देखी गई। प्रमुख सूचकांकों की तुलना में वृहत बाजार में बिकवाली तेज

रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 2.10 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 2.94 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टर आधारित सभी सूचकांक लाल निशान में रहे। धातु, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियल्टी और रसायन समूहों के सूचकांक क्रमशः 2.71 फीसदी, 2.63 फीसदी, 2.38 फीसदी और 2.32 फीसदी टूट गए। बैंकिंग, वित्त, मीडिया और फार्मा समूहों के शेयर एक से दो प्रतिशत की गिरावट में रहे। एनएसई में जिन 3,724 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 3,011 के शेयर फिसल गए और



623 के ऊपर रहे। अन्य 90 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 20 के शेयर नुकसान में बंद हुए। टाटा स्टील का शेयर 3.21 फीसदी, अडानी पोर्ट्स का 3.03 प्रतिशत और टैट का 2.13 प्रतिशत गिर गया। टेक महिंद्रा में 1.95 फीसदी, बीईएल में 1.88, इंडिगो में 1.78, बजाज फिनसर्व में 1.72, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.70, टाइटन में 1.42, बजाज फाइनेंस में 1.38, एनटीपीसी में 1.28 और भारतीय स्टेट बैंक में 1.17 प्रतिशत की गिरावट रही। हिंदुस्तान यूनीलिवर, सन फार्मा, भारती एयरटेल और आईटीसी के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए। इटरनल का शेयर सबसे अधिक 3.97 प्रतिशत, एलएंडटी का 1.25 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.19 और टीसीएस का एक प्रतिशत की बढ़त में रहा। अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, मार्फिट सुनुकी, एक्सिस बैंक और इंफोसिस के शेयर भी ऊपर रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 0.89 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.69 प्रतिशत मजबूत बंद हुआ। वहीं, जापान का निक्केई 0.34 प्रतिशत टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.87 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.57 प्रतिशत नीचे रहा।

पेरिस

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाकर फ्रेंच ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा है। महिला बैडमिंटन रैंकिंग में 11वें नंबर पर मौजूद पीवी सिंधु ने एरिना ग्रैंड पेरिस में चीनी ताइपे की विश्व नंबर 17 खिलाड़ी चिउ पिन-चियन को 21-13, 21-14 से हराया। चिउ पिन-चियन के खिलाफ सिंधु की यह दूसरी जीत है; इससे पहले उन्होंने पिछले महीने एशियाई खेल 2026 में भी उन्हें हराया था। इस भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर चार बार सेमीफाइनल में जगह



बनाई है। इससे पहले वह जनवरी में मलेशिया ओपन और जून में ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं, और जुलाई में जापान ओपन का खिताब जीता था। पीवी सिंधु शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी को आसानी से हरा दिया। भारतीय

खिलाड़ी ने इंटरवल तक 11-5 की बढ़त बना ली थी और फिर पहला गेम आराम से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जहां सिंधु ने 7-0 की बढ़त बनाई और सिर्फ 39 मिनट में मुकाबला जीत लिया। शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल

में सिंधु का सामना इंडोनेशिया की विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता पुत्री कुसुमा वर्दानी या जापान की हिना अकेची में से किसी एक से होगा। बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब सिंधु ही एकमात्र भारतीय चुनौती बची हैं। इससे पहले आज, अश्विनी चलिहा को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ओलंपिक पदक विजेता जापान की नोजोमी ओकुहारा से हार का सामना करना पड़ा। अश्विनी चलिहा, जिन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकानो यामागुची को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की थी, वे नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बावजूद 21-10, 17-21, 21-16 से हार गईं।

जिस बाजार में तेजी, चावल, गेहूं, दालों, खाद्य तेलों के भाव बढ़े

घरेलू थोक जिस बाजारों में शुक्रवार को लगभग सभी जियों की कीमतों में तेजी रही। चावल, गेहूं, दालों और खाद्य तेलों के भाव चढ़ गए। वहीं, चीनी के भाव लगभग स्थिर रहे। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 5,426 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गुड़ चार रुपये सस्ता हुआ और 5,946 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 11 पैसे बढ़कर 58.43 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत आठ रुपये बढ़कर 4,286 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,906 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। वहीं, आटे का भाव तीन रुपये टूट गया। दाल-दलहनों में मूंग दाल की औसत कीमत 21 रुपये बढ़ गई। तुअर दाल 19 रुपये और उड़द दाल 10 रुपये महंगी हुई। चना दाल में आठ रुपये और मसूर दाल में छह रुपये की तेजी रही। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव



एक्सचेंज में आज पाम ऑयल का दिसंबर वायदा 25 रिंगिट चढ़कर 4.817 रिंगिट प्रति टन पर रहा। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.03 प्रतिशत बढ़कर 66.76 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 40 रुपये प्रति क्विंटल ऊपर रहा। सूरजमुखी तेल 32 रुपये और सोया तेल 29 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल का भाव 17 रुपये और पाम ऑयल का आठ रुपये चढ़ गया। वनस्पति 25 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया।

प्रदेश में दोगुना करेंगे मत्स्य उत्पादन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश में लाएंगे नई नीली क्रांति, जलस्रोतों को बनाएंगे बहु आयामी का सोत

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नई एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 में यह प्रावधान किया है कि प्रदेश का मत्स्य उत्पादन हम जल्द से जल्द दोगुना कर देंगे। इससे मत्स्य उत्पादकों, विक्रेताओं, मत्स्य परिवहनकर्ताओं और मछली पालन से जुड़े सभी मत्स्यपालकों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सरकार मध्यप्रदेश में नई नीली क्रांति लाने के लिए तैयार है। मप्र की जल सम्पदा को निवेश, नवाचार और निर्यात से जोड़कर हम मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के मामले में देश का अग्रणी केन्द्र बनाएंगे। मध्यप्रदेश में उपलब्ध अथाह जलराशि का बेहतर सप्रबंधन कर जलचरों का संरक्षण भी कर रहे हैं। मध्यप्रदेश नदियों का जल स्रोत से लोगों को पीने का पानी, किसानों को खेती के लिए पानी, पशुपालकों को पशुओं के लिए पानी, मछली उत्पादन, जल पर्यटन सहित जलीय जीवों की भी संरक्षण मिलता है। किसानों और मत्स्य पालकों दोनों की आर्थिक



स्थिति हालत सुधारने के लिए राज्य सरकार इस दिशा में ठोस काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित नेशनल फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कान्क्लेव-2026 में आए प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई नीति अंतर्गत प्रदेश में 1 लाख नए केजू कल्चर स्थापित करने का लक्ष्य लिया है। प्रदेश के संरक्षित वन क्षेत्रों में भी बड़े तालाब निर्मित करेंगे, ताकि वन्य जीवों के साथ-साथ इन तालाबों का लाभ मत्स्यपालकों को भी मिले।

एक्सपोर्ट पोर्टल की एसओपी का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन उद्योग को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के साथ जोड़ा जाएगा। इसके अंतर्गत मछली उत्पादन के बाद इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन,

पैकेजिंग, मार्केटिंग संबंधी अन्य सभी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री सिंह ने मप्र के जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास के लिए तैयार की गई योजना की प्रशासकीय स्वीकृति हस्तांतरित की। कॉन्क्लेव में हितग्राहियों को हितलाभ वितरण सहित मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन और इसके विकास पर केंद्रित वीडियो फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया।

निरंतर बढ़ रहीं सिंचाई की सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सभी विभागों में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। देश के निर्यात होने वाली मत्स्य सम्पदा पर अमेरिका ने टैरिफ लगाया तो यह संकट का समय था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने नेतृत्व कोशल, क्षमता और योग्यता के बल पर देश को इस

संकट से बाहर निकाला। मत्स्य उद्योग निवेश, उत्पादन और निर्यात का बड़ा सेक्टर है, जिसमें आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं मध्यप्रदेश में विद्यमान हैं। फिशरीज सेक्टर में निवेशक, निर्यातक, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जल स्रोतों का बेहतर प्रबंधन करते हुए खेती के लिए निरंतर सिंचाई सुविधाओं को बढ़ा रही है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 69 लाख हैक्टेयर हो चुका है। राज्य सरकार ने इसे 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मध्यप्रदेश में नदी जोड़ो अभियान-केन-बेतवा लिंक और पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) से जल रचनाओं का निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने म.प्र. की समृद्धि का लिया है संकल्प

केंद्रीय पंचायती राज, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेकर मध्यप्रदेश को बदलने का संकल्प लिया है। इस आयोजन में मत्स्य पालक, निवेशक और निर्यातक एक मंच पर आए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मछुआ कल्याण और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं को शुरुआत की।

90 दीपों की रोशनी में जगमगाया राष्ट्र सेवा का संकल्प

दमोह (स्वतंत्र मत)। राष्ट्र सेविका समिति के 90 वर्षों का अनवरत साधना, समर्पण और राष्ट्र सेवा



की गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में विजयादशमी उत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं राष्ट्रभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सेविकाओं ने 90 दीप प्रज्वलित कर समिति की 9 दशक की यात्रा को नमन किया। दीपों की पावन ज्योति के बीच देवी अष्टभुजा स्त्रोत एवं दुर्गा चालीसा का सामूहिक पाठ किया गयाए पूरे कार्यक्रम का वातावरण भक्ति में एवं प्रेरणादाई रहा। मुख्य अतिथि श्रीमती सविता रमक महिला सुरक्षा शाखा में पदस्थ है उन्होंने कहा कि

दमोह-सिमरिया सड़क की गुणवत्ता जांचने पहुंची उच्च स्तरीय टीम निरीक्षण की निष्पक्षता पर उठे सवाल

हटा (स्वतंत्र मत)। दमोह-सिमरिया मार्ग के 73 किलोमीटर लंबे सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांचने के लिए राज्य शासन के आदेश पर गठित उच्चस्तरीय टीम 22 अक्टूबर को मौके पर पहुंची। हालांकि निरीक्षण के लिए पहले निर्धारित अधिकारियों की जगह ऐन वक पर दूसरी टीम भेजे जाने और निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की कथित खामियों पर संतोषजनक कार्रवाई सामने नहीं आने से जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोक निर्माण विभाग के उप सचिव एणआरए सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच के लिए मुख्य अभियंता एससी वर्मा और मुख्य अभियंता योगेंद्र सिंह बगोले की टीम गठित की गई थी। आदेश में 22 अक्टूबर को मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन अंतिम समय में टीम बदल दी गई। इसके बाद ग्वालियर क्षेत्र के पीआईईयू के मुख्य अभियंता बीके आरख के नेतृत्व में टीम ने दमोह लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री जेपी सोनकर के साथ सिमरिया पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य केवल सड़क की गुणवत्ता देखना ही नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना भी था कि निर्माण कार्य स्वीकृत प्राकलन और निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप हो रहा है या नहीं। ऐसे में निरीक्षण टीम में बदलाव और जांच के तरीके को लेकर उठ रहे सवाल महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

सीसी सड़क की सतह पर पानी भरने की शिकायत- निरीक्षण के दौरान नगरीय क्षेत्र में बनाई गई सीसी सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए। बताया गया कि सड़क की ऊपरी सतह एक समान नहीं है और कई स्थानों पर पानी भरने की शिकायत है। जब मुख्य अभियंता बीकेएण आरख से इस संबंध में सवाल किया गयाए तो उनके जवाब से शिकायतों के निराकरण को लेकर कोई स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई। इसी तरह मुंडिया से दमोह तक सड़क निर्माण के दौरान पूरे मार्ग पर एक साथ गिट्टी फैला दिए जाने से लोगों को हो रही परेशानी का मुद्दा भी उठाया गया। स्थानीय स्तर पर यह सवाल किया गया कि निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से करते हुए पहले एक तरफ का हिस्सा तैयार किया जाना चाहिए था ताकि आवागमन में लोगों को कम परेशानी हो। इस पर अधिकारी ने संबंधित पक्ष से बात करने की बात कही।

नाली निर्माण की खामियों पर भी उठे सवाल- निरीक्षण के दौरान नाली निर्माण में कथित गड़बड़ियों की ओर भी अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया। हालांकि इन शिकायतों के संबंध में मौके पर किसी स्पष्ट तकनीकी जांच या निष्कर्ष की जानकारी सामने नहीं आई।

लखरौनी में 200 पेटी अवैध शराब बरामद

मामला दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी में जुटी पुलिस

पथरिया (स्वतंत्र मत)। पथरिया क्षेत्र में कथित अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने में पुलिस की कार्यवाही को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। शुक्रवार को ग्राम रजवास के आगे ग्राम लखरौनी स्थित एक खेत में मैकडॉवेल्स व्हिस्की और रम के क्वार्टर से भरी बोलेरो पिकअप क्रमांक एमपी34जेडएच1926 मिलने से हड़कंप मच गया। वाहन में करीब 195 से 200 पेटियां शराब होने की जानकारी सामने आई है। मानव भगवती कल्याण संगठन की सूचना पर मामला सामने आने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं एफआईआर दर्ज कराने को लेकर संगठन और पुलिस के बीच खींचतान की चर्चा ने मामले को और गंभीर बना दिया है। सवाल यह है कि यदि क्षेत्र में इस तरह बड़ी मात्रा में शराब की खेप पहुंच रही है तो पुलिस की निगरानी और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है। पुलिस की नाक के नीचे कथित तौर पर अवैध शराब का कारोबार संचालित होने की आशंका कानून.व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। खबर लिखे



जाते तक पिकअप के चालक और शराब के वास्तविक मालिक की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी थी। शराब कहां से लाई गई और कहां पहुंचाई जानी थी, इसकी भी जांच होना बाकी है।

दोषियों पर होगी सख्त कार्यवाही- एसडीओपी प्रिया सिंधी ने बताया कि पुलिस को लखरौनी के एक खेत में अवैध शराब से भरी बोलेरो पिकअप मिलने की सूचना मिली थी। वाहन से लगभग 195 से 200 पेटियां शराब जब्त की गई हैं और जब्त की दौरान कुछ लोगों के नाम भी सामने आए हैं। जांच के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)					
//निविदा सूचना//					
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।					
क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2	3	4	5	6
1.	न.नि.ज. प्रकाश/2026 27/40/पी.आर.ओ./695 दिनांक 23/10/2026	Supply, Installation, Testing& commissioning of Air Conditioner 1.5 Ton	3 माह एवं 289985	2000 एवं 2900	06/11/2026 (1 st call)
निविदा से संबंधित किसी भी प्रश्नार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।					
कार्यपालन रानी (विद्युतीय) नगर पालिक निगम, जबलपुर					

वास्तविक ग्रामीण परिवेश से रूबरू होने आए मध्यप्रदेश : सचिव डॉ. इलैया राजा टी



अंतर्राष्ट्रीय ट्रैवल ट्रेड शो आईटीबी एशिया के नेशनल टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन के टॉक सेशन को किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी ने कहा कि पर्यटकों को वास्तविक, विशुद्ध और ग्रामीण परिवेश से रूबरू होनेके लिए मध्यप्रदेशआना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि मध्यप्रदेश केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विविधता और आतिथ्य के कारण सही मायनों में अतुल्य भारत का दिल है। सचिव डॉ. इलैया राजा, सिंगापुर के सैंड्स एक्सपो 2026 कन्वेंशन सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय ट्रैवल ट्रेड शो आईटीबी एशिया के नेशनल टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन (एनटीओ) टॉक सेशन को संबोधित कर रहे थे। सचिव सचिव डॉ. इलैया राजा ने पर्यटन में नवाचार और खोज पर बल देते हुए कहा कि यदि आवश्यकता आविष्कार की जननी है, तो जिज्ञासा

पथरिया पुलिस ने किया हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या के मामले में फरार थे आरोपी

पथरिया (स्वतंत्र मत)

सेमरा बुजुर्ग गांव के समीप पुरानी रंजिश के चलते हुई परम उर्फचिक्कू यादव की मौत के मामले में पथरिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में फ्फार चल रहे दो आरोपियों नरेंद्र उर्फ लालू यादव २८ वर्ष और दीपेश उर्फ लालू यादव 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को 22 अक्टूबरको गिरफ्तार किया गया। उनकी गिरफ्तारी पर पुलिस की ओर से 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसारए 18 अक्टूबर 2026 को मृतक पवन यादव निवासी साहू ,तराहा बालाकोट रोडए आरटीओ ऑफिस के पास दमोह की रिपोर्ट के आधार पर थाना पथरिया में अपराध क्रमांक 533/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। मामले में आरोपियों पर एकराय होकर मोटरसाइकिल सवार युवक को टक्कर मारकर गिराने और लाठी, डंडे व अन्य हथियारों से हमला कर हत्या करने के आरोप हैं।



घटना के बाद से ही मामले के आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देश आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे थे। पहले आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया थाए जिसे सागर रंज के उपमहानिरीक्षक द्वारा बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दिया गया था। पुलिस टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों

आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक मामले में अन्य आरोपियों की तलाश और विवेचना जारी है। कार्यवाही में थाना प्रभारी पथरिया महेंद्र कुमार जगेत, उपनिरीक्षक श्यामसुंदर दुबे, लज्जार सिंह, प्रधान आरक्षक नरेंद्र यादव, कपिल तिवारी, राहुल, अक्षय, विनोद, अनुराग, ऋतुराज की महत्वपूर्ण भूमिका रही एवं आरक्षक सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

थाना मंदिर में हवन-पूजन के साथ भंडारे का आयोजन

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के श्री श्री 1008 श्री देव कोशलेंद्र मंदिर परिसर

स्थित थाना मंदिर में थाना मंदिर दुर्गा उत्सव समिति द्वारा नवरात्र पर्व के समापन पर हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पूजा-अर्चना की और धर्मलाभ प्राप्त किया। नवरात्र पर्व के समापन पर मंदिर परिसर में विधिविधान से हवन-पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक आयोजन से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।



सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शुभप नगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक MIG-75 श्री वीरेश कुमार सिंह पिता स्व. श्री नर्मदा प्रसाद सिंह को आवंटित है जिसका विक्रय दिनांक 26.11.2011 को निष्पादित हो चुका है। आवंटे श्री वीरेश कुमार सिंह पिता स्व. श्री नर्मदा प्रसाद सिंह की मृत्यु दिनांक 18.09.2026 को हो गई है। उक्त भवन के पंजीकृत विक्रय विलेख में आवटी द्वारा उनकी पति श्रीमती पिशा सिंह पति श्री वीरेश कुमार सिंह को नौमिनी विक्रय किया था, जिसके आधार पर उनकी पति श्रीमती पिशा सिंह पति श्री वीरेश कुमार सिंह के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शयनपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में ऑनलाईन प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निष्पारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंदरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003	म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंदरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003
भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना	भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शुभाप नगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक MIG-75 श्री वीरेश कुमार सिंह पिता स्व. श्री नर्मदा प्रसाद सिंह को आवंटित है जिसका विक्रय दिनांक 26.11.2011 को निष्पादित हो चुका है। आवंटे श्री वीरेश कुमार सिंह पिता स्व. श्री नर्मदा प्रसाद सिंह की मृत्यु दिनांक 18.09.2026 को हो गई है। उक्त भवन के पंजीकृत विक्रय विलेख में आवटी द्वारा उनकी पति श्रीमती पिशा सिंह पति श्री वीरेश कुमार सिंह को नौमिनी विक्रय किया था, जिसके आधार पर उनकी पति श्रीमती पिशा सिंह पति श्री वीरेश कुमार सिंह के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शयनपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में ऑनलाईन प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निष्पारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रदेीर जबलपुर

Change Of Name

I, WAS KNOWN AS ANEESA BEGAM I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCE FORTH I, SHALL BE KNOWN AS ANISA KHATUN W/O MOHAMMAD AKBAR RESIDENT OF 652, KOTWALI THANE KE P A S S , S A R D A R VALLABH BHAI PATEL WARD, JABALPUR (M. P.) 482001.

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंदरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003	म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंदरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003
भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना	भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रदेीर जबलपुर

नर्सिंग फर्जीवाड़ा : अपात्र कॉलेजों के छात्रों की शिपिटिंग के लिए नया मांड्यूल पेश करने के निर्देश

मप्र हाईकोर्ट में हुई सुनवाई, अपात्र कॉलेजों की बैंक गारंटी राजसात करने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आनंद पाठक एवं न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगल पीठ ने राज्य के नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता और संचालन में हुए फर्जीवाड़े से जुड़े मामलों पर लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एड विशाल बघेल की जनहित याचिका सहित सभी संबंधित मामलों की सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान अनुपयुक्त नर्सिंग कॉलेजों के छात्रों के स्थानांतरण एवं प्रशिक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं। न्यायालय के समक्ष मप्र नर्सिंग रजिस्ट्रेशन कार्डसिल के द्वारा अपात्र कॉलेजों के छात्रों के स्थानांतरण एवं डबल शिफ्ट प्रशिक्षण के संबंध में एक स्टेटस रिपोर्ट और शिपिटिंग मांड्यूल प्रस्तुत किया गया था। इसके जवाब में याचिकाकर्ता लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता आलोक वागरेचा और याचिकाकर्ता विशाल बघेल के



अगली सुनवाई तक प्रस्तुत करने के निर्देश

मामले की गंभीरता और छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए, याचिकाकर्ता और कार्डसिल दोनों पक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे एक-दूसरे के प्रस्तावों एवं आपत्तियों को आपस में साझा करें और समन्वय बनाकर नया एवं संशोधित शिपिटिंग मांड्यूल तैयार कर अगली सुनवाई तक न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो, छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता और क्लिनिकल ट्रेनिंग से कोई समझौता न हो तथा दोषी संस्थाओं पर जवाबदेही तय की जा सके। मामले में नर्सिंग कार्डसिल की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह और उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी ने पैरवी की। इस मामले की अगली सुनवाई 3 नवंबर 2026 को होगी।

द्वारा आपत्ति दर्ज कराते हुए मांड्यूल की व्यावहारिक कमियों, जैसे प्रशिक्षण की पारदर्शिता, छात्रों की पसंद, बुनियादी सुविधाओं, और प्रशिक्षण की लागत आदि मुद्दों को रेखांकित किया गया। उनके द्वारा मांग की गई कि छात्रों की आगे की पढ़ाई का खर्चा अपात्र कॉलेजों की बैंक गारंटी राजसात कर वसूला जाना चाहिए तथा सम्पूर्ण शिपिटिंग प्रक्रिया छात्रों की सुविधा को ध्यान में रख कर की जानी चाहिए।

चलित न्यायालय से हुई वाहनों की चैकिंग, वसूला हजारों का जुर्माना



सिहोरा (स्वतंत्र मत)

यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सिहोरा में चलित न्यायालय के माध्यम से वाहन चैकिंग अभियान चलाया गया। खिलौला थाना के सामने आयोजित इस कार्यवाही में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट सिहोरादीपशिखा दांगी की मौजूदगी में विभिन्न वाहनों की जांच की गई। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 21 हजार 100 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। चैकिंग अभियान के दौरान सड़क से गुजरने वाले दोपहिया सहित अन्य वाहनों को रोककर उनके आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं, इसकी भी पड़ताल की गई।

एनओसी के एवज में नगर निगम के लिपिक ने मांगी रिश्तत, लोकायुक्त ने दबोचा

कटनी नगर निगम का मामला, जबलपुर लोकायुक्त की कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कटनी नगर निगम में रिश्तत मांगने की शिकायत पर जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार को कार्यवाही की। टीम ने नगर निगम की संपदा शाखा में पदस्थ लिपिक आलोक गर्ग को 20 हजार रुपए की रिश्तत लेते हुए पकड़ा। आरोप है कि ट्रांसपोर्ट नगर पुरैनी में आवंटित प्लॉट पर निर्माण के लिए बैंक ऋण की अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के बदले उसने 25 हजार रुपए मांगे थे। शिकायतकर्ता ट्रांसपोर्टर अशोक कनकने को ट्रांसपोर्ट नगर पुरैनी में प्लॉट नंबर 137 आवंटित हुआ था। वे प्लॉट पर निर्माण कराना चाहते थे। इसके



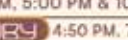
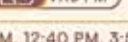
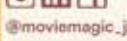
लिए उन्होंने एक राष्ट्रीयकृत बैंक में व्यावसायिक ऋण के लिए आवेदन किया था।

नोटों में लगा रखा था केमिकल

आरोप है कि एनओसी जारी

करने के बदले संपदा शाखा के लिपिक आलोक गर्ग ने अशोक कनकने से 25 हजार रुपए की रिश्तत मांगी। इससे परेशान होकर उन्होंने जबलपुर लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने शुरुआती जांच और

सत्यापन कराया। रिश्तत मांगने की पुष्टि होने के बाद टीम ने आरोपी को पकड़ने की योजना बनाई। तय योजना के मुताबिक शुक्रवार को शिकायतकर्ता ने लिपिक को रिश्तत की पहली किश्त के रूप में केमिकल लगे 20 हजार रुपए दिए। इसी दौरान लोकायुक्त टीम ने कार्यवाही कर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्यवाही के दौरान आरोपी के हाथों की केमिकल से जांच की गई। हाथ धुलवाने पर पानी गुलाबी हो गया। इसके बाद लोकायुक्त टीम आरोपी लिपिक को सिविल लाइन स्थित रेस्ट हाउस ले गई। वहां भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्यवाही की गई।

		
RUBY MOVIE MAGIC NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX		
DRISHYAM THE CONCLUSION (HIN)	10:30 AM, 1:30 PM, 4:30 PM, 7:30 PM & 10:25 PM	
NAYYI NAVELLI (HIN)	11:30 AM & 07:45 PM	 02:10 PM
PRAHAAR (HIN)	2:15 PM, 5:00 PM & 10:30 PM	 4:50 PM, 7:25 PM & 9:55 PM
HANUMAN ANSH (HIN)		 7:15 PM
RAJINI: THE JAILER 2 (HIN)	9:30 AM, 12:40 PM, 3:50 PM, 7:00 PM & 10:10 PM	 1:15 PM, 4:15 PM, 7:00 PM
 MOVIE MAGIC 5 BIG SCREENS  Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE		
 Bulk Booking / Advertising 9425807507  Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508		